राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 237 | जौनपुर | गुरूवार, 17 अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

वर्चुअल बैठक में ग्रापए के नवनिर्वाचित उत्तर प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह व पूरी टीम को बधाई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ग्रापए के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की वर्चुअल बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम सभी अतिथियों का स्वागतोपरान्त अतुल कपूर द्वारा माँ सरस्वती वन्दना के साथ ही उत्तर प्रदेश के चुनाव में नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष ओम प्रकाश द्विवेदी, प्रदेश महामंत्री डा० नरेश पाल सिंह व प्रदेश की पूरी टीम का स्वागत किया व बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। मध्यप्रदेश के संयोजक मनीष चौबे द्वारा मध्य प्रदेश में शीघ्र ही सभी जिलों में गठन कर शीघ्र ही बैठक इंदौर में आहूत करने से अवगत कराया एवं प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन शीघ्र ही संपन्न होगा।

आबेडकर ने दिया था एक भारत, श्रेष्ठ भारत का सदेश - सीएम योगी

आगरा, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में ममता दीदी को दंगाई शांतिदूत दिखाई दे रहे हैं। इनका इंतजाम डंडे से ही हो सकता है। पश्चिम बंगाल में हो रहे दंगों में गरीब हिंदू व दलितों के घर जलाए जा रहे हैं। कांग्रेस, सपा व बाकी सब चुप हैं। ये बातें मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा में कहीं। वह यहां आवास विकास कॉलोनी, सेक्टर–11 में आयोजित तीन दिवसीय भीम नगरी महोत्सव का उद्घाटन करने पहुंचे थे। मुख्यमंत्री योगी ने घोषणा की कि लखनऊ की तरह आगरा में भी डॉ. बीआर आंबेडकर शोध केंद्र बनेगा। यहां बाबा साहब के जीवन व दर्शन के साथ विदेश, अर्थ व समाज नीति पर शोध होंगे। साथ ही कहा, इस शोध केंद्र के साथ

एक छात्रावास भी बनाया जाएगा, जहां उच्च शिक्षा के छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाएगी। उन्होंने चक्कीपाट स्थित बुद्ध विहार को भी राजकीय भवन घोषित करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार ने जीरो पावर्टी योजना का नाम डॉ. आंबेडकर के नाम पर रखने का निर्णय लिया है। बाबा साहब चाहते थे कि गरीब, वंचित और दलितों को उनका हक मिले। सरकार उनके सपने को साकार कर रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, जीरो पावर्टी मिशन का फायदा सबसे ज्यादा गरीबों को होगा। जिनके पास घर नहीं है, उन्हें घर मिलेगा। रोजगार व राशन मिलेगा। आयुष्मान कार्ड, पेंशन और जमीन के पट्टे मिलेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015–16 में सपा सरकार ने अनुसूचित जाति और जनजाति छात्रों की छात्रवृत्ति रोक दी थी। जैसे ही 2017 में प्रदेश में हमारी सरकार आई। हमने तत्काल छात्रवृत्ति को फिर चालू कराया। इससे पहले केंद्रीय भीम नगरी आयोजन समिति के संरक्षक करतार सिंह भारतीय ने चक्कीपाट स्थित बुद्ध विहार को राजकीय स्मारक घोषित करने की मांग रखी। इसे मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया। 18 मार्च 1956 को बाबा साहब आखिरी बार आगरा आए थे। अनुसूचित जाति फेडरेशन का रामलीला मैदान में अधिवेशन हुआ था। इस अधिवेशन के बाद डॉ. आंबेडकर ने चक्कीपाट में भगवान बुद्ध की प्रतिमा स्थापित की थी। इसे ही बुद्ध विहार कहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1956 से लगातार निकल रही शोभायात्रा और 1996 से आयोजित हो रही भीम नगरी से लोग बाबा साहब के सपनों को जीवंत किए हुए हैं। करीब 35 मिनट के भाषण में कांग्रेस मुख्यमंत्री योगी के निशाने पर रही। उन्होंने कहा वो कौन लोग हैं, जिन्होंने बाबा साहब को चुनाव हराने का काम किया। कौन लोग हैं जिन्होंने उन्हें विदेशी समिति में नहीं लिया। कौन लोग हैं जिन्होंने दिल्ली में स्मारक नहीं बनने दिया। ये वही लोग हैं जो संसद में संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं जबकि उन्होंने ही संविधान की प्रस्तावना को बदलकर उसकी आत्मा को मार डाला था। किसी भी संविधान की प्रस्तावना, उसकी आत्मा होती है। भाजपा सरकार में बाबा साहब को भारत रत्न दिया गया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि डॉ. बीआर आंबेडकर ने जो संविधान बनाया, उसने देश को पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक एकता के सूत्र में बांधा। बाबा साहब ने ही एक भारत, श्रेष्ठ भारत का आधार रखा। योगी ने कहा जब नया संसद भवन बना था, तो उसमें संविधान की मूल प्रति पीएम मोदी ने स्थापित की। उन्होंने पंचतीर्थ योजना शुरू की। नागपुर में दीक्षा भूमि स्मारक बना। इंग्लैंड में जहां बाबा साहब पढ़े थे, वहां छात्रावास बनवाया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती दे सकती है केंद्र सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की। इस मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की तीन न्यायाधीशों की पीठ कर रही है। सुनवाई के लिए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद समेत कई याचिकाकर्ता सीजेआई के न्यायालय कक्ष में मौजूद रहे। पीठ ने कहा कि वह पहले दो प्रारंभिक प्रश्नों की जांच करेगी क्या मामले की सुनवाई सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की जानी चाहिए या उच्च न्यायालय द्वारा, और याचिकाकर्ता कौन से विशिष्ट मुद्दे उठाना चाहते हैं। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने यह कहते हुए अपनी दलीलें शुरू कीं कि संशोधन संसदीय कानून के माध्यम से एक धर्म के आवश्यक और अभिन्न अंग में हस्तक्षेप करना चाहता है। उन्होंने एक प्रावधान पर भी सवाल उठाया जिसके तहत वक्फ स्थापित करने के लिए किसी व्यक्ति को पांच साल तक इस्लाम का पालन करना आवश्यक है, उन्होंने पूछा कि राज्य किसी की धार्मिक पहचान कैसे निर्धारित कर सकता है और क्या ऐसे मामलों में व्यक्तिगत कानून लागू होगा। आगे की सुनवाई में चुनौती के कानूनी दायरे को परिभाषित करने और उठाए गए संवैधानिक प्रश्नों का समाधान करने की उम्मीद है। मौलाना अरशद मदनी के नेतृत्व वाले जमीयत उलमा–ए–हिंद की ओर से पेश हुए।

संक्षिप्त समाचार

हाथी के हमलों में हाल ही में हुई मौत को लेकर अथिरापिल्ली में हड़ताल

केरल, (एजेंसी)। त्रिशूर जिले के अथिरापिल्ली वन क्षेत्र में हाथी के हमले में एक महिला समेत दो आदिवासी व्यक्तियों की मौत के एक दिन बाद, बुधवार को क्षेत्र में दिन भर सार्वजनिक हड़ताल हुई। स्थानीय लोगों ने सरकार की कथित निष्क्रियता के विरोध में यह हड़ताल की। अथिरापिल्ली पुलिस थाना के एक अधिकारी ने बताया कि इस हड़ताल को सभी राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त है और यह शांतिपूर्वक चल रही है। पुलिस ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर नाकेबंदी की और पर्यटक वाहनों को वापस भेज दिया, लेकिन कार्यालय जाने वालों, आपात वाहनों और आवश्यक सामान ले जाने वाले वाहनों को जाने दिया। उन्होंने कहा कि यह एक शांतिपूर्ण आंदोलन है। अधिकारी ने हालांकि कहा कि यह एक पर्यटन स्थल है, इसलिए पर्यटकों को वापस भेजने से क्षेत्र पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने आश्वासन दिया है कि वे कुछ घंटों में आंदोलन वापस ले लेंगे और यह शाम तक जारी नहीं रहेगा।

कोटा में नीट की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी की दिल का दौरा पड़ने से मौत

राजस्थान, (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहे 21 वर्षीय अभ्यर्थी की मंगलवार सुबह संदिग्ध रूप से दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अभ्यर्थी की एक वर्ष पहले 'बाईपास सर्जरी' हुई थी। पुलिस के मुताबिक, राज्य के पाली जिले का रहने वाला देवकरण सैनी पिछले पांच महीने से 'हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी' में एक पीजी रूम में रहकर खुद से पढ़ाई कर रहा था। कुन्हाड़ी थाने के सहायक उपनिरीक्षक अनिल शर्मा ने बताया कि सैनी सुबह करीब आठ बजे लाइब्रेरी से निकला और सड़क किनारे एक दुकान पर चाय पीने के लिए रुका। उन्होंने बताया कि चाय का इंतजार करते समय सैनी अचानक बेहोश हो गया और मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने एंबुलेंस बुलाकर उसे एमबीएस अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि सैनी के दिल में जन्म से ही छेद था ।

नेशनल हेराल्ड केस, जिसमें सोनिया-राहुल को हो सकती है जेल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ईडी के एक एक्सन के बाद कांग्रेस अब तक की सबसे बड़ी मुसीबत में फंसती हुई दिख रही है। प्रवर्तन निदेशालय ने नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ ही सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के खिलाफ पहली चार्जशीट दाखिल कर दी है। ये नेशनल हेराल्ड वही केस है जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी को जमानत मिली हुई है और जिसको लेकर बीजेपी हमेशा कहती आई है कि ये लोग तो बेल पर बाहर घूम रहे हैं। ऐसे में आपको आज विस्तार से बताते हैं नेशनल हेराल्ड की वो कहानी जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी मुख्य आरोपी बनाए गए हैं। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी। ईडी का आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने साजिश के तहत एसोसिएटेड जर्नल्स लि. (एजेएल) की 2,000 करोड़ की संपत्तियों पर कब्जे के लिए उसका अधिग्रहण निजी स्वामित्व वाली कंपनी श्यंग इंडियनश के जरिए केवल 50 लाख रुपया में कर लिया। इस कंपनी के 76प्रतिशत शेयर सोनिया और राहुल के पास हैं। इस मामले में श्अपराध से अर्जित आयश 988 करोड़ रुपया की मानी गई। साथ ही संबद्ध संपत्तियों का बाजार मूल्य 5,000 करोड़ रु. बताया गया है। अंग्रेजी अखबार, स्थापना 1938 में पंडित जवाहरलाल नेहरू और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने की। स्वामित्व एजेएल के पास था, जो नवजीवन (हिंदी), कौमी आवाजश (उर्दू) निकालता था। एजेएल पर साल 2008 तक 90 करोड़ रुपए का कर्ज हो गया। इसका प्रकाशन बंद हो गया। कांग्रेस ने 2002 से 2011 के बीच एजेएल को 90 करोड़ रुपए की राशि ऋण के रूप में दी थी। 2010 में यंग इंडियन लिमिटेड (वाईआईएल) नाम से गैर–व्यावसायिक कंपनी बनी, जिसकी 76: हिस्सेदारी सोनिया व राहुल के पास थी। शेष 24प्रतिशत मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीज, दुबे व पित्रोदा के पास थी। श्यंग इंडियनश ने 50 लाख में एजेएल का अधिग्रहण किया। इससे एजेएल की 99: हिस्सेदारी मिल गई। 2012 में सुब्रमण्यम स्वामी ने कोर्ट में शिकायत की। आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने एजेएल का अधिग्रहण वाईआईएल से किया।

वक्फ बाय यूजर रद्द कर देंगे तो समस्या होगी - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने पक्षों से दो बिंदुओं पर विचार करने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसके सामने दो सवाल हैं, पहला– क्या उसे मामले की सुनवाई करनी चाहिए या इसे हाईकोर्ट को सौंप देना चाहिए और दूसरा– वकील किन बिंदुओं पर बहस करना चाहते हैं। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अपनी दलीलें शुरू करते हुए कहा कि संसदीय कानून के जरिए जो करने की कोशिश की जा रही है, वह एक आस्था के आवश्यक और अभिन्न अंग में हस्तक्षेप करना है। अगर कोई वक्फ स्थापित करना चाहता है तो उसे यह दिखाना होगा कि वह पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहा है। राज्य को यह कैसे तय करना चाहिए कि वह व्यक्ति मुसलमान है या नहीं? व्यक्ति का पर्सनल लॉ लागू होगा। सिब्बल ने दलील दी कि कलेक्टर वह अधिकारी होता है जो यह तय करता है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। अगर कोई विवाद है तो वह सरकार का हिस्सा होता है और इस तरह वह अपने मामले में न्यायाधीश होता है। यह अपने आप में असंवैधानिक है। इसमें यह भी कहा गया है कि जब तक अधिकारी ऐसा फैसला नहीं करता, तब तक संपत्ति वक्फ नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा कि पहले केवल मुसलमान ही वक्फ परिषद और बोर्ड का हिस्सा होते थे, लेकिन संशोधन के बाद अब हिंदू भी इसका हिस्सा हो सकते हैं। यह संसदीय अधिनियम द्वारा मौलिक अधिकारों का सीधा हनन है। कपिल सिब्बल ने जामा मस्जिद का मुद्दा भी उठाया। सीजेआई ने कहा कि जामा मस्जिद समेत सभी प्राचीन स्मारक संरक्षित रहेंगे। उन्होंनें कहा कि ऐसे कितने मामले हैं? इस बारे में कानून आपके पक्ष में है। सभी पुराने स्मारक, जामा मस्जिद भी संरक्षित ही रहेंगे। इसके बाद सिब्बल ने कहा कि 20 करोड़ लोगों का अधिकार छीना जा रहा है। मान लीजिए कि मेरे पास कोई संपत्ति है। मैं इसे दान करना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि वहां अनाथालय बनाया जाए। इसमें क्या परेशानी है। मुझे रजिस्टर कराना क्यों जरूरी है? इस पर सीजेआई ने कहा कि वक्फ को पंजीकृत कराएंगे तो ये आपकी मदद करेगा। जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि जो अल्लाह का है, वो वक्फ है। कानून में झूठे दावों से बचने के लिए वक्फ डीड का प्रावधान है। इस पर सिब्बल ने कहा कि यह इतना आसान नहीं है। वक्फ सैकड़ों साल पहले बनाया गया है। अब 300 साल पुरानी संपत्ति की वक्फ डीड मांगी जाएगी तो यहां समस्या है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि क्या वह मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति देने को तैयार है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बाय यूजर के प्रावधान पर भी सवाल उठाए। सीजेआई खन्ना ने कहा कि 14वीं और 16वीं शताब्दी की मस्जिदें हैं। उनके पास रजिस्ट्रेशन सेल डीड नहीं होगी। ऐसी संपत्तियों को कैसे पंजीकृत करेंगे। उनके पास क्या दस्तावेज होंगे? ऐसे वक्फ को खारिज कर देने पर विवाद ज्यादा लंबा चलेगा। हम यह जानते हैं कि पुराने कानून का कुछ गलत इस्तेमाल हुआ,।

ममता बनर्जी ने मौलवियों और मुस्लिम धर्म गुरुओं के साथ बैठक करेंगी

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को मौलवियों और मुस्लिम धर्म गुरुओं के साथ बैठक करेंगी। यह बैठक वक्फ संशोधन अधिनियम के संबंध में हो रही है। बैठक कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में होगी। स्टेडियम के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस दौरान ममता ने कहा कि उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति में सभी धर्मों के लोगों ने भूमिका निभाई है, लेकिन संविधान को कमजोर करने के प्रयास जारी है। भाजपा समाज को बांटने का काम कर रही है। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा कि मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक हिंसा पूर्व नियोजित थी। ममता ने कहा कि भाजपा ने रामनवमी के दौरान दंगे कराने की योजना बनाई थी, लेकिन वह विफल रही। मैं लोगों को विभाजित नहीं होने दूंगी। मैं एकता चाहती हूं। मैं समाज को एकसाथ लेकर चलने में विश्वास रखती हूं। हम भाजपा को केंद्र की सत्ता से बेदखल करने के बाद उसके लाए गए सभी जनविरोधी विधेयकों को वापस लेंगे। उन्होंने कहा कि सभी धर्मगुरु लोगों के पास जाएं और उन्हें एकता का संदेश दें। हमें साथ मिलकर रहना है। सभी का साथ रहना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद जिले के कुछ इलाकों में वक्फ कानून को लेकर कुछ हिंसक घटनाएं हुईं। अगर टीएमसी वक्फ हिंसा में शामिल होती, जैसा कि विपक्ष दावा कर रहा है, तो उसके नेताओं के घरों पर हमला नहीं होता। संसद में वक्फ कानून के खिलाफ लड़ाई में टीएमसी सबसे आगे रही। भाजपा की ओर से पाले जा रहे कुछ मीडिया घराने बंगाल को बदनाम करने के लिए अन्य राज्यों में हुई हिंसा के वीडियो प्रसारित कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को अमित शाह पर लगाम लगानी चाहिए। मैं प्रधानमंत्री मोदी से अपील करती हूं कि वे किसी भी अत्याचारी कानून को अनुमति न दें और अपने गृह मंत्री पर नियंत्रण रखें। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा, श्केंद्र को जवाब देना चाहिए कि कितने युवाओं को नौकरी मिली है? दवाओं, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि की गई है, लेकिन कुछ श्गोदी मीडियाश केवल बंगाल के खिलाफ बोलते हैं। अगर आपको कुछ कहना है, तो मेरे सामने आकर कहें, मेरे पीछे नहीं। भाजपा की ओर से वित्तपोषित कुछ मीडिया चौनल बंगाल के फर्जी वीडियो दिखाते हैं। हमने उन्हें पकड़ा। उन्होंने कर्नाटक, यूपी, बिहार और राजस्थान के आठ वीडियो दिखाए और बंगाल को बदनाम करने की कोशिश की। उन्हें शर्म आनी चाहिए। ममता बनर्जी ने कहा कि मुर्शिदाबाद में बीएसएफ की गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत की जांच के लिए मुख्य सचिव से अनुरोध किया जाएगा।

धर्म को कर्म नहीं बल्कि कर्म को धर्म मानकर काम करे यूपी सरकार

लखनऊ, (संवाददाता)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि यूपी व उत्तराखंड सरकारों को धर्म को कर्म नहीं बल्कि कर्म को धर्म मानकर संवैधानिक दायित्व निभाना चाहिए जिसमें समाज के सभी वर्गों का हित निहित है लेकिन योगी सरकार भी पूर्ववर्ती सपा की सरकार की तरह ही कुछ क्षेत्र और कुछ लोगों के लिए समर्पित नजर आ रही है। मायावती बुधवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में यूपी व उत्तराखंड के नेताओं को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर उन्होंने सपा, कांग्रेस और भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि राजनीतिक दलों में डॉ. आंबेडकर की जयंती मनाने की होड़ लगी रही लेकिन उनके अनुयायियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। उनकी हत्या की जा रही है और आंबेडकर की प्रतिमाओं को तोड़ा जा रहा है। मायावती ने यूपी व उत्तराखंड स्टेट के पार्टी संगठन की समीक्षा की और दो मार्च की बैठक में दिए गए दिशा–निर्देशों की प्रगति रिपोर्ट भी ली। भारत को अपने आत्मसम्मान के साथ समझौता नहीं करना चाहिए मायावती ने भारत सहित दुनिया के अलग–अलग देशों पर लगाए गए ट्रंप टैरिफ के कारण आ रही।?

आरएसएस और भाजपा को सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही हरा सकती है

गुजरात, (एजेंसी)। गुजरात में राहुल गांधी ने कहा कि सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही आरएसएस और भाजपा को हरा सकती है। राहुल ने मोडासा शहर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम राज्य में भाजपा को हराएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि गुजरात कांग्रेस पार्टी के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य है। राहुल ने कहा कि मौजूदा लड़ाई सिर्फ राजनीतिक लड़ाई नहीं है, बल्कि बीजेपी–आरएसएस और कांग्रेस के बीच विचारधारा की लड़ाई भी है। पूरा देश जानता है कि अगर कोई बीजेपी को हरा सकता है, तो वो सिर्फ कांग्रेस पार्टी है। अगर हमें देश में आरएसएस और बीजेपी को हराना है, तो इसका रास्ता गुजरात से होकर जाता है। कांग्रेस नेता कहा कि हमारी पार्टी की शुरुआत गुजरात से ही हुई थी। आपने हमें हमारे सबसे बड़े नेता महात्मा गांधी और सरदार पटेल दिए। लेकिन गुजरात में हम लंबे समय से हतोत्साहित हैं। उन्होंने

कहा कि मैं आपके जिले के वरिष्ठ नेताओं से मिला, जिन्होंने मुझे बताया कि हमारे बीच की प्रतिस्पर्धा रचनात्मक नहीं, बल्कि विनाशकारी है। दूसरी बात, स्थानीय टिकट वितरण में स्थानीय लोगों को शामिल नहीं किया जाता। चर्चा का मुख्य बिंदु यह था कि जिला अहमदाबाद से नहीं चलना चाहिएय जिला जिले से चलना चाहिए। जिले के नेताओं को मजबूत किया जाना चाहिए। जिला अध्यक्ष को जिम्मेदारी और शक्ति दी जानी चाहिए। हम यह काम अभी से शुरू कर रहे हैं। राहुल ने कहा कि जिला अध्यक्ष कोई समझौतावादी उम्मीदवार नहीं होगा। वो आपकी मदद से जिला चलाएगा। जिला उसके फैसलों से चलेगा। उम्मीदवार को ऊपर से निर्देश नहीं मिलेंगे। हम चाहते हैं कि संगठन और चुनाव लड़ने वालों के बीच एक जुड़ाव होना चाहिए। आजकल होता ये है कि कांग्रेस पार्टी का संगठन लोगों को चुनाव जिताने में मदद करता है और एक बार कोई व्यक्ति विधायक या सांसद बन जाता है तो वो कांग्रेस संगठन को भूल जाता है। उन्होंने कहा कि गुजरात में ये हमारा पायलट प्रोजेक्ट है क्योंकि हम ये संदेश देना चाहते हैं कि गुजरात हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य है। गांधी ने कहा कि हम उन लोगों को ताकत देना चाहते हैं ।

कांग्रेस अपनी बनाई ईडी से खुद परेशान – अखिलेश यादव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नेशनल हेराल्ड मामले पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस ने ईडी का गठन किया। आज वे ईडी के कारण मुश्किल में हैं। आर्थिक अपराधों की जांच के लिए कई संस्थाएं हैं। ईडी जैसी एजेंसियों को खत्म कर देना चाहिए। कन्नौज सांसद ने प्रवर्तन निदेशालय को खत्म करने की भी मांग कर दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ही ईडी कानून बनाया था। उस समय कई पार्टियों ने इसका विरोध किया था, कांग्रेस से कहा था कि आप ऐसा कानून ला रहे हैं जिससे अंततः आपको ही परेशानी हो सकती है। महाराष्ट्र में जो भी नेता भाजपा के खिलाफ था, उसे और आयकर विभाग का सामना करना पड़ा। मैं इतना समझता हूँ कि ईडी जैसे विभाग को खत्म कर देना चाहिए। मैं कांग्रेस से भी यही माँग करूँगा। म्व होने का मतलब है कि आप आयकर विभाग या अपनी संस्थाओं पर भी भरोसा नहीं कर रहे हैं। कांग्रेस ने बुधवार को दावा किया कि नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के

खिलाफ ईडी का आरोपपत्र सरकार की घबराहट और नैतिक दिवालियापन को दर्शाता है। कांग्रेस ने कहा कि वह ऐसी धमकियों से नहीं डरेगी। एआईसीसी महासचिव जयराम रमेश ने हिंदी में एक लंबी पोस्ट में नेशनल हेराल्ड चलाने वाली कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड को दिए गए वित्तीय ऋण के बारे में स्पष्टीकरण जारी किया और यंग इंडियन द्वारा 5,000 करोड़ रुपये का कर्ज लेने के आरोपों को झूठा करार दिया। उन्होंने कहा कि आप 11 वर्षों से सत्ता में हैं, आपके पास कोई साक्ष्य नहीं है, कोई सबूत नहीं है, कुछ भी नहीं है – अन्यथा आपको 365वें दिन तक इंतजार करने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ता। रमेश ने कहा कि यह न केवल सरकार की घबराहट बल्कि उनके मानसिक और नैतिक दिवालियापन को भी दर्शाता है। मोदी जी, यह कांग्रेस पार्टी है। इस देश की मिट्टी में राहुल जी और सोनिया गांधी के अपने लोगों का खून मिला हुआ है,।

संपादकीय

बैंक घोटाले के जरिये चोकसी

हाल ही में मुंबई हमले के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को भारत लाने और अब बेल्जियम में सबसे बड़ी बैंकिंग धोखाधड़ी करके फरार हुए हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी के गहरे निहितार्थ हैं। इससे देश में अपराध करके भागने वालों के लिये सख्त संदेश जाएगा कि वे साफ बचकर नहीं निकल सकते। जांच एजेंसियों की सतर्कता, अधिकारियों की तत्परता और सत्ताधीशों की सजगता स्थितियां बदल सकती है। बहरहाल, चोकसी की गिरफ्तारी से यह उम्मीद जरूर जगी है कि देर–सवेर भारत लाकर उस पर मुकदमा चलाया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि साल 2018 में देश के सबसे बड़े बैंक घोटाले के जरिये चोकसी एंड पार्टी ने पूरे देश की बैंकिंग व्यवस्था को हिलाकर रख दिया था। चोकसी पर आरोप है कि उसने पंजाब नेशनल बैंक के साथ करीब तेरह हजार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। आरोप है कि इस धोखाधड़ी में कथित तौर पर बैंक अधिकारियों और अन्य लोगों की भी गहरे तक मिलीभगत थी। दरअसल, इस बड़े घोटाले के सार्वजनिक होने से पहले ही मेहुल चोकसी और सह–आरोपी उनका भतीजा नीरव मोदी भारत से भागने में सफल हो गए थे। नीरव को वर्ष 2019 में ब्रिटेन में गिरफ्तार कर लिया गया था। वह अभी भी वहीं हिरासत में है। लेकिन येन–केन–प्रकारेण तथा लगातार नयी दलीलें देकर अपना प्रत्यर्पण टालने में सफल रहा है। दरअसल, पश्चिमी देशों में सशक्त नागरिक व मानव अधिकारों का दुरुपयोग ये अभियुक्त अपनी खाल बचाने के लिये बखूबी करते हैं। दूसरे उनके पास घोटाले का पर्याप्त पैसा है, जिससे वे महंगी कानूनी लड़ाई के जरिये अपना बचाव करने में कामयाब होते रहे हैं। बहरहाल, भले ही चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी हो गई है,लेकिन उसकी जल्दी वापसी इतनी भी आसान नहीं है। इस मामले को देख रहे अधिकारियों को अभी लंबी कानूनी लड़ाई के लिये तैयार रहना होगा। यह तय है कि चोकसी अपनी रिहाई सुनिश्चित करने तथा अपना प्रत्यर्पण टालने के लिये कानूनी मोर्चे पर कोई कसर नहीं छोड़ने वाला है। निश्चित रूप से हमें बचाव पक्ष के वकीलों की रणनीति को लेकर कोई आश्चर्य न होगा कि चोकसी के खराब स्वास्थ्य को आधार बनाकर जमानत लेने का प्रयास किया जाए। खबरों में बताया जा रहा है कि चोकसी कैंसर का इलाज करा रहा है। वहीं दूसरी ओर देश में अपराध करके भागने वाले लोग विदेशी अदालतों में यह दलील देने से नहीं चूकते कि भारत में जेलों के हालात खराब है और वे उन स्थितियों में नहीं रह सकते। ऐसे में भारतीय जांच एजेंसियों को इस तरह के कुतर्कों का पुख्ता तरीके से मुकाबला करने के लिये पूरी तैयारी के साथ विदेशी अदालतों में अपना पक्ष सशक्त ढंग से रखना होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस प्रकरण में भारत के सबसे बड़े बैंक घोटाले की जांच दांव पर है। इसके अलावा इस मामले में भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम की प्रभावशीलता की भी कसौटी शामिल है। जिसे राजग सरकार ने वर्ष 2018 में मेहुल चोकसी व नीरव मोदी के देश से भागने के बाद लागू किया था। यह विडंबना ही कही जाएगी कि चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने तथा अधिनियम के प्रावधानों के तहत उसकी संपत्ति जब्त करने की प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पिछले सात सालों से मुंबई की एक अदालत में लंबित है।

रुग्ण मानसिकता के खिलाफ विचार–यात्राएं जरूरी

विश्वनाथ

अभी–अभी देश ने रामनवमी मनाई हैदृभगवान राम का जन्मदिन। इस उत्सव के आयोजन को लेकर देश के कुछ हिस्सों में कुछ अप्रिय घटनाएं भी घटीं। इन्हीं अप्रिय घटनाओं में एक राजस्थान में भी घटी थी। हुआ यूं कि राजस्थान के अलवर जिले में भगवान राम के एक मंदिर में प्राण–प्रतिष्ठा के अवसर पर राज्य के एक कांग्रेसी नेता ने भी मंदिर जाने का निर्णय किया। वे मंदिर में गये। पूजा भी की। पर कुछ लोगों को उनका मंदिर में जाना पसंद नहीं आया। ऐसे ही लोगों में एक

भाजपा के नेता भी थे, जिन्होंने 'मंदिर को पवित्र' करना जरूरी समझा। उनका यह मानना है कि मंदिर जाकर 'उस दलित कांग्रेसी नेता' ने मंदिर को अपवित्र कर दिया है। दलित नेता के जाने के बाद भाजपा नेता ने गंगाजल का छिड़काव करके मंदिर को पवित्र किया। उनके इस कृत्य की काफी आलोचना हो रही है, और उनके दल भाजपा ने उन्हें पार्टी से निष्कासित करके कारण बताओ नोटिस भी जारी कर दिया है। भले ही यह कार्रवाई भाजपा की राजनीतिक आवश्यकता हो, पर इस कार्रवाई का स्वागत ही किया जाना चाहिए। समता, बंधुता और न्याय के आधार पर बने हमारे संविधान में अस्पृश्यता को एक अपराध घोषित किया गया है। स्वतंत्र भारत में इस अपराध में कमी भी आयी है, यह एक सच्चाई है, पर सच यह भी है कि हमारे समाज में आज भी अस्पृश्यता में विश्वास करने वाली सोच जिंदा है। और इस तथ्य को भी समझा जाना चाहिए कि सुधार के सारे दावों के बावजूद आज भी यह बीमार मानसिकता मनुष्यता के हमारे दावों–वादों को झुठला ही रही है। रामनवमी का उत्सव मनाने के आठ दिन बाद ही हमने हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये हैं। हमने यह भी देखा है कि देश के सभी राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं में इस अवसर पर बाबा साहेब के प्रति अपना सम्मान प्रकट करने की जैसे होड़–सी लगी हुई थी। लेकिन हकीकत यह भी है कि अलवर जिले में घटी निंदनीय घटना आठ दिन बाद जैसे आसानी से भुला दी गयी। नहीं, ऐसी घटनाएं भुलाई नहीं जानी चाहिए। इन्हें याद रखना, इन पर चिंतन करना, इसलिए जरूरी है कि यह घटनाएं हमें आदमी और आदमी के बीच भेदभाव को समझने का अवसर देती हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस अपराध को मानवता पर कलंक कहते समय भी कहा था कि अस्पृश्यता रंग–भेद जैसा ही अपराध हैदृ जैसे रंग–भेद मनुष्यता का अपमान है, वैसे ही अस्पृश्यता की अवधारणा भी अपने आप में कोई छोटा अपमान नहीं है। किसी व्यक्ति को किसी भी आधार पर इतना हीन समझना कि उसे छूना अपराध बन जाए, उसकी छाया अपवित्र मानी जाये, उसे बस्ती के किसी हिस्से में ही रहने को विवश किया जाये, चाय की गुमटियों पर उसके लिए पृथक बर्तन रखे जाएं, सांविधानिक अपराध ही नहीं है, यह उस बीमार सोच का भी परिचायक है जो स्वयं को ही पवित्र समझने वालों को मनुष्य कहलाने के अधिकार से वंचित करता है। पिछले एक अर्से से आंकड़े नहीं मिल रहे, पर यह तथ्य अपने आप में बहुत कुछ कहता है कि देश में सत्तारूढ़ दल का कोई वरिष्ठ सदस्य एक विधानसभा में विपक्ष के नेता को मंदिर में जाने के लायक नहीं समझता। यह बात यहां रेखांकित की जानी चाहिए कि यह सदन में विपक्ष का नेता इसलिए मंदिर में जाने योग्य नहीं माना गया कि वह दलित है। पापी वह दलित नहीं है जो मंदिर में पूजा–अर्चना के लिए गया, पापी ऐसा व्यक्ति है जो दलित के प्रवेश से मंदिर को अपवित्र मानता है। अछूतों के मंदिर प्रवेश को लेकर आजादी की लड़ाई के दौरान ही देश में महात्मा गांधी, बाबासाहेब अंबेडकर जैसे नेताओं ने कथित अछूतों के मंदिर–प्रवेश के अधिकार के लिए लड़ाई शुरू कर दी थी। स्वतंत्र भारत में भी यह लड़ाई जारी रही। हमारे संविधान की धारा 17 के अनुसार अस्पृश्यता दंडनीय अपराध है। पर संविधान में प्रावधान मात्र से बात नहीं बनती। सन 2005 में जारी एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार देश में हर 20 मिनट पर दलितों के खिलाफ एक अपराध होता था। निश्चित रूप से यह आंकड़ा अब बहुत कम हो गया होगा, पर यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि इस अपराध से कहीं अधिक गंभीर वह मानसिकता है जो एक मनुष्य को अछूत समझती है। इसी मानसिकता के चलते कुछ साल पहले उत्तर प्रदेश के एक तहसीलदार ने एक दलित महिला सरपंच के दफ्तर में जाने के बाद उस कुर्सी का 'शुद्धीकरण' किया था, जिस पर वह बैठी थी! चुनाव जीत कर सरपंच बनी थी।

कम न हो पाएंगे यमुना के दुख-दर्द

पंकज

पहली बार में दिल्ली की यमुना पर सफेद झाग नजर आते हैं। थोड़ा करीब से देखें तो पानी निपट काला नजर आता है। खासकर कालिंदी कुंज पर तो लगता था कि यह नदी नहीं, बर्फ का ढेर हो। दिल्ली विधानसभा चुनाव में यमुना को साफ करने के मुद्दे पर खूब चर्चा हुई, होनी भी चाहिए थी क्योंकि केजरीवाल सरकार ने इस बारे में बहुत से दावे किए लेकिन नतीजा सिफर रहा था। लेकिन आश्चर्य तब हुआ जब चुनावी नतीजे आते ही, बगैर सरकार के गठन के यमुना में कुछ ऐसी मशीन तैरती दिखीं जो कचरा साफ कर रही थीं। वैसे तो ऐसा कचरा यदि कोई भी नदी अविरल रहे और उसमें बरसात के दिनों में दो–चार बाढ़ आ जाये तो खुद–ब–खुद किनारे लग जाता है। सभी जानते हैं कि आप सरकार के दौरान दिल्ली में आधा राज तो 'लपटन साब' अर्थात लेफ्टिनेंट गवर्नर का चलता रहा है। फिर यह मशीन उतारने के लिए सरकार बदलने का इंतजार क्यों किया गया? कड़वा सच तो यह है कि यमुना के दर्द से जब जनता बेपरवाह हुई और महज छठ के आसपास इसकी याद आने लगी तो राजनीतिक दलों ने भी इसे गम्भीरता से लेना छोड़ दिया। यह समझना होगा कि बीते दो दशकों से दिल्ली में हरियाणा से दिल्ली आने वाली यमुना में साल में कम से कम 10 बार अमोनिया की मात्रा बढ़ती है। यह भी समझना होगा कि साल दर साल यमुना में पानी की मात्रा कम हो रही है, जबकि उसके किनारे बसे शहरों–बस्तियों की आबादी बढ़ रही है। जाहिर है कि वहां से निकलने वाले जल–मल में भी वृद्धि हो रही है और कड़वा सच यह है कि यह आधे अधूरे ट्रीटमेंट के बाद यमुना में मिल रहा है। एक तरफ हम यमुना से ज्यादा पानी ले रहे हैं, दूसरा हम इसमें अधिक गंदगी डाल रहे हैं, तीसरा इसमें पानी कम हो रहा है। वैसे दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने इस साल यमुना के मद में 500 करोड़ का प्रावधान रखा है लेकिन कोई ठोस योजना प्रस्तुत की नहीं। लेकिन यमुना की जमीनी हकीकत को परे रखकर जिस तरह अहमदाबाद के साबरमती फ्रंट की तर्ज पर दिल्ली की यमुना को दमकाने की योजनाएं सरकार के खजाने से बाहर आईं उससे जाहिर हो गया कि यमुना में निर्मल जल और विशाल जलनिधि के बनिस्बत उसकी भूमि छुड़ाकर उसका व्यावसायिक इस्तेमाल करने की मंशा है। वैसे एनजीटी सन् 2015 में ही दिल्ली के यमुना तटों पर निर्माण पर पाबंदी लगा चुका है लेकिन इससे बेपरवाह सरकारें मान नहीं रही। अभी एक साल के भीतर ही लाख आपत्तियों के बावजूद सराय कालेखां के पास 'बांस घर' के नाम से केफेटेरिया और अन्य निर्माण हो गए। और अब यही सराय कालेखां के सामने 22 एकड़ का जो रिवर फ्रंट बनाने की बात है, वह भी एनजीटी के आदेश की खुली अवहेलना ही होगा। दिल्ली में यमुना कोई 52 किलोमीटर का सफर तय करती है। सराय कालेखां तक आने में उसका आधा सफर हो जाता है और इसमें ही अधिकांश नाले, औद्योगिक कचरा आदि मिलता है। आईटीओ पुल पर पहुंचते ही यह मृतप्राय हो जाती है। इसमें घुलित ऑक्सीजन की मात्रा नहीं मिलती है। यानी ऑक्सीजन शून्य है। किसी भी नदी की जीवनधारा के लिए घुलित ऑक्सीजन अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के किसी भी हिस्से में यमुना जल मनुष्यों के उपयोग के लायक नहीं है। यहां फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा भी मानक स्तर से कहीं ज्यादा है। इससे पहले ही श्मशान घाट है और इससे पहले ही, कभी अरावली से आने वाली साहबी नदी और नजफगढ़ वेट लेंड की बीच का चौनल रहे और अब सबसे दूषित नाला बन गया नजफगढ़ ड्रेन भी है। एक नजर में स्पष्ट हो जाता है कि सरकार का असली मन्तव्य समूची नदी को पावन बनाने की जगह सबसे पहले इसके पाट को काम कर इसे संकरी नहर में बदलना है। फिर नदी से ली गई जमीन पर दुकानें खोलना और उससे पैसा कमाना है। दिल्ली में बहने वाली नदी की लंबाई के दो प्रतिशत से भी कम को चमका कर लोगों को मुगालते में रखने की यह परियोजना कम से कम यमुना के आंसू तो पोंछ नहीं पाएगी। यहां जानना जरूरी है कि यमुना नदी के आसपास की भूगर्भ संरचना कठोर चट्टानों वाली नहीं है। यहां की मिट्टी सरंध्र है। नदी में प्रदूषण के उच्च स्तर के कारण इसमें कई फुट गहराई तक गाद भरी है, जो कि नदी के जलग्रहण क्षमता को तो कम कर ही रही है, साथ ही पानी के रिसाव के रास्ते भी बना रही है। इसका परिणाम यमुना के तटों पर दलदली भूमि के विस्तार के तौर पर देखा जा सकता है। जब व्यापक निर्माण के कारण यमुना के उद्गम, पहाड़ों पर जम कर जंगल काटे गए और इस तरह हुए पारिस्थितिकी हानि के कुप्रभाव से नदी भी नहीं बच सकती। महज सिंचाई और बिजली के सपने में यमुना हरियाणा में आने से पहले ही हार जाती है। इधर दिल्ली जिस नदी को निर्मल करने के लिए बजट बढ़ाती है, वास्तव में वह नदी का अस्तित्व है ही नहीं। जब तक हरियाणा की सीमा तक यमुनोत्री से निकलने वाली नदी की धारा अविरल नहीं आती, तब तक दिल्ली में बरसात के तीन महीनों में कम से कम 25 दिन बाढ़ के हालात नहीं रहेंगे और ऐसा हुए बगैर दुनिया की कोई भी तकनीकी दिल्ली में यमुना को जिला नहीं सकती। एसटीपी, रिवर फ्रंट बनाने की योजनाएं आदि कभी यमुना को बचा नहीं सकते। केवल नदी को बगैर रोके–टोके बहने दिया जाए तो दिल्ली कितना भी कूड़ा डाले, यमुना आधे से अधिक खुद–ब–खुद साफ हो जाएगी।

.... विविध ....

अस्पताल में भर्ती एयर होस्टेस संग हैवानियत, वेंटिलेटर सपोर्ट के दौरान स्टाफ ने की गंदी हरकत

गुरुग्राम के निजी अस्पताल में एक एयर होस्टेस के साथ बेहद ही शर्मनाक घटन घटी है। यहां गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रहने के दौरान उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। पुलिस के मुताबिक, मामला 13 अप्रैल को तब सामने आया जब उसने छुट्टी मिलने के बाद अपने पति को यौन उत्पीड़न के बारे में बताया और उसने पुलिस को सूचित किया। 46 वर्षीय महिला की शिकायत के आधार पर सदर थाने में मामला दर्ज किया गया और पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस शिकायत के मुताबिक,एयर होस्टेस कंपनी की ओर से ट्रेनिंग के लिए गुरुग्राम आई थी और एक होटल में ठहरी थी। इस दौरान डूबने की घटना के कारण उसकी तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद 5 अप्रैल को उसके पति ने उसे इलाज के लिए गुरुग्राम के दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया। 13 अप्रैल को उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई। पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि इलाज के दौरान 6 अप्रैल को वह वेंटिलेटर पर थी, इस दौरान अस्पताल के कुछ कर्मचारियों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। उस समय वह वेंटिलेटर पर थी और बोल नहीं पा रही थी और काफी डरी हुई थी। घटना के समय वह बेहोश भी थी और उसके आसपास दो नर्स भी थीं। छुट्टी मिलने के बाद उसने अपने पति को दुष्कर्म के बारे में बताया और उसने 112 पुलिस को सूचित किया और फिर कानूनी सलाहकार के सामने पुलिस में भी शिकायत की।

गुरुग्राम पुलिस के प्रवक्ता संदीप कुमार ने कहा कि पीड़िता की शिकायत के बाद गुरुग्राम के सदर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की पहचान करने के लिए ड्यूटी चार्ट को स्कैन करने और सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण करने के लिए पुलिस की एक टीम अस्पताल पहुंची। पुलिस टीम ने मामले में आगे की कार्रवाई की है और मजिस्ट्रेट के सामने आरोपी का बयान दर्ज किया गया है। अस्पताल के अधिकारियों ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। जब अस्पताल के सुरक्षा कर्मचारियों से संपर्क किया गया, तो उन्होंने घटना के बारे में कोई जानकारी होने से इनकार कर दिया।

प्रीमेच्योर शिशु के लिए मुश्किल होता है ब्रेस्टफीड करना

प्रेग्नेंसी के 37 हफ्ते से पहले अगर डिलीवरी होती है, तो उसे प्रीमेच्योर डिलीवरी कहा जाता है। ऐसे शिशुओं का वजन कम होता है, और उनका शारीरिक और मानसिक विकास सामान्य समय से कुछ धीमा होता है। प्रीमैच्योर शिशुओं को अक्सर छप्ब्न् (नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट) में रखा जाता है, ताकि उनका विशेष ध्यान रखा जा सके और वे स्वस्थ रह सकें। इस दौरान, शिशु को ब्रेस्टफीड कराना एक चुनौती हो सकती है, लेकिन यह बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं कि प्रीमेच्योर शिशु को ब्रेस्टफीड कराना क्यों मुश्किल होता है और इसे कैसे बेहतर तरीके से किया जा सकता है।

प्रीमेच्योर शिशु को ब्रेस्टफीड कराना क्यों मुश्किल होता है?

प्रीमेच्योर शिशु जन्म के समय बहुत कमजोर होते हैं और उनके शरीर के कई अंग पूरी तरह से विकसित नहीं होते। इस कारण कई समस्याएं हो सकती हैं।

चूसने की क्षमता कमजोर होनारू प्रीमेच्योर शिशु के मुंह और होंठ का विकास पूरी तरह से नहीं हुआ होता, इसलिए वे दूध चूसने और निगलने में मुश्किल महसूस करते हैं।

एनर्जी का अभाव– इन शिशुओं के पास ज्यादा ऊर्जा नहीं होती, जिसके कारण वे लंबे समय तक दूध नहीं पी पाते। वे जल्दी थक जाते हैं।

पेट और पाचन समस्याएं– इन शिशुओं का पाचन तंत्र कमजोर होता है, जिससे उन्हें दूध पचाने में दिक्कत हो सकती है।

सांस लेने में परेशानी– कुछ शिशुओं के फेफड़े पूरी तरह से विकसित नहीं होते, जिससे वे दूध पीने के दौरान सांस लेने में कठिनाई महसूस कर सकते हैं।

कम वजन– वजन कम होने के कारण शिशु शारीरिक रूप से कमजोर होते हैं और वे खुद से दूध पान नहीं कर पाते।

प्रीमेच्योर शिशु को ब्रेस्टफीड कराना क्यों महत्वपूर्ण है?

प्रीमेच्योर शिशु के लिए मां का दूध अमृत के समान होता है। यह शिशु के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है, जैसेरू

इम्युनिटी बढ़ती है मां के दूध में ऐसे तत्व होते हैं जो शिशु के शरीर की रोग प्रतिकारक क्षमता को मजबूत करते हैं।

पाचन में मदद मिलती हैरू मां का दूध शिशु के पाचन तंत्र को मजबूत करता है, जिससे उन्हें सही तरीके से पोषण मिलता है।

बीमारियों से बचावरू मां का दूध शिशु को विभिन्न संक्रमणों और बीमारियों से बचाने में मदद करता है।

वजन बढ़ने में मदद मां का दूध शिशु के वजन को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे शिशु जल्दी स्वस्थ होता है।

मां और शिशु के बीच बॉन्डिंगरू ब्रेस्टफीडिंग से मां और शिशु के बीच मजबूत संबंध बनते हैं, जो शिशु की मानसिक स्थिति के लिए अच्छा होता है।

प्रीमेच्योर शिशु को ब्रेस्टफीड कराने की तकनीकें

दूध पंप करना

अगर शिशु बहुत कमजोर है और खुद से दूध नहीं पी पा रहा, तो मां ब्रेस्ट पंप का इस्तेमाल करके दूध निकाल सकती हैं। दूध निकालने के बाद, उसे किसी साफ बोतल, कप या

फीडिंग ट्यूब में डालकर शिशु को दिया जा सकता है। ब्रेस्ट पंप को मैन्युअली या इलेक्ट्रिक पंप से किया जा सकता है।

ट्यूब फीडिंग

जब शिशु खुद से दूध नहीं पी सकता, तो डॉक्टर एक पतली नली (छेंवहेंजतपब ज्नइम) का उपयोग करते हैं, जिससे दूध शिशु के पेट में पहुंचाया जाता है। यह प्रक्रिया पूरी तरह से सुरक्षित है और शिशु को दूध देने का एक और तरीका है।

कंगारू केयर

यह तकनीक शिशु को मां की त्वचा से चिपकाकर रखने की है। इसे स्किन टू स्किन कांटेक्ट कहा जाता है। इस प्रक्रिया से शिशु को गर्माहट मिलती है और ब्रेस्टफीडिंग में भी मदद मिलती है।

कप फीडिंग

अगर शिशु को बोतल से दूध पीने में दिक्कत होती है, तो मां शिशु को एक छोटे कप से दूध पिला सकती हैं। यह बोतल के मुकाबले अधिक सुरक्षित तरीका है और इससे शिशु को ब्रेस्टफीडिंग की प्रैक्टिस भी मिलती है।

फिंगर फीडिंग

इसमें शिशु को दूध पिलाने के लिए मां या परिवार का कोई सदस्य अपनी साफ उंगली शिशु के मुंह में डालता है और दूध से भरी सिरिंज या ट्यूब के जरिए उसे दूध पिलाया जाता है। इससे शिशु को चूसने और निगलने की प्रैक्टिस होती है।

अगर शिशु ब्रेस्टफीड न कर पाएं, तो मां को क्या करना चाहिए?

शिशु धीरे–धीरे चूसने और निगलने की क्षमता विकसित करते हैं, इसलिए धैर्य रखना बहुत जरूरी है। अगर शिशु नियमित रूप से दूध नहीं पी रहे हैं, तो मां को हर 2–3 घंटे में दूध पंप करना चाहिए, ताकि दूध की आपूर्ति बनी रहे। अगर कोई समस्या हो, तो डॉक्टर और लैक्टेशन कंसल्टेंट से परामर्श लेना चाहिए। मां को सही और संतुलित आहार लेना चाहिए, ताकि दूध की मात्रा बनी रहे। मां को मानसिक तनाव से बचना चाहिए, क्योंकि तनाव से ब्रेस्टफीडिंग की प्रक्रिया पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

प्रीमैच्योर शिशुओं के लिए ब्रेस्टफीड करना थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन यह शिशु के स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सही तकनीक अपनाकर और धैर्य से काम लेकर मां अपने शिशु को अच्छे से ब्रेस्टफीड करा सकती हैं। यह न केवल शिशु के शारीरिक विकास मेंमदद करता है बल्कि मांऔर शिशु के बीच के संबंध को भी मजबूत बनाता है।

हर वक्त शरीर में रहता है दर्द तो संभल जाओ, नहीं तो हो जाओगे डिप्रेशन का शिकार

एक अध्ययन के अनुसार, क्रॉनिक दर्द से पीड़ित लोगों या कम से कम तीन महीने तक चलने वाले दर्द से पीड़ित लोगों में डिप्रेशन का अनुभव होने की संभावना चार गुना तक अधिक हो सकती है। दुनिया भर में लगभग 30 प्रतिशत लोग कमर दर्द और माइग्रेन जैसी क्रॉनिक दर्द की स्थिति से पीड़ित हैं, और इनमें से तीन में से एक मरीज एक साथ दर्द की स्थिति की भी रिपोर्ट करता है।

शरीर के कई हिस्सों में दर्द रहना खतरनाक

क्रोनिक दर्द का मतलब है वह दर्द जो तीन महीने से ज्यादा समय तक बना रहे, या जो एक ऐसा दर्द है जो सामान्य रिकवरी अवधि से परे बना रहे या गठिया जैसी पुरानी स्वास्थ्य स्थिति के साथ होता है। साइंस एडवांसेज जर्नल में प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि शरीर के कई हिस्सों में क्रॉनिक दर्द होना एक ही जगह पर दर्द होने की तुलना में डिप्रेशन के ज्यादा जोखिम से जुड़ा है।

मानसिक स्वास्थ्य पर ही असर डालता है दर्द

येल स्कूल ऑफ मेडिसिन (ल्ैड) में रेडियोलॉजी और बायोमेडिकल इमेजिंग के एसोसिएट प्रोफेसर डस्टिन शेइनोस्ट का कहना है कि–ष्दर्द सिर्फ शारीरिक नहीं होता। हमारा अध्ययन इस बात के सबूतों को और पुख्ता करता है कि शारीरिक स्थितियों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर हो सकता है।ष येल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने यह भी पता लगाया कि सूजन पुराने दर्द और अवसाद के बीच संबंध को स्पष्ट कर सकती है। टीम ने पाया कि सी–रिएक्टिव प्रोटीन (सूजन के जवाब में लीवर द्वारा उत्पादित प्रोटीन) जैसे सूजन संबंधी मार्कर दर्द और अवसाद के बीच संबंध को समझाने में मदद करते हैं।

दर्द का अवसाद से है कनेक्शन

शोधकर्ताओं ने पाया कि शरीर के सभी स्थानों से होने वाले दोनों प्रकार के दर्द अवसाद से जुड़े थे और पुराना दर्द तीव्र दर्द से अधिक मजबूती से जुड़ा था। उदाहरण के लिए, ष्हम अक्सर मस्तिष्क स्वास्थ्य या मानसिक स्वास्थ्य को हृदय स्वास्थ्य या यकृत स्वास्थ्य से अलग मानते हैं। लेकिन ये सभी शरीर प्रणालियां एक–दूसरे को प्रभावित करती हैं। उन्होंने कहा कि दर्द और अवसाद के अंतर्निहित कारणों पर आगे शोध करने से वैज्ञानिकों को नई हस्तक्षेप रणनीतियां विकसित करने में मदद मिल सकती है।

लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक परीक्षाएं तीन मई से, छात्रों से मांगे गए सुझाव

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से बीए, बीएससी और बीकॉम की सम सेमेस्टर–2025 का अनंतिम परीक्षा कार्यक्रम मंगलवार को जारी कर दिया गया। परीक्षाएं तीन मई में शुरू होंगी। परीक्षा कार्यक्रम वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। विश्वविद्यालय की ओर से सुझाव भी मांगे गए हैं। छात्र 19 अप्रैल की शाम तक परीक्षा नियंत्रक को सुझाव भेज सकते हैं। बीए द्वितीय, बीए चतुर्थ और बीए छठे समेस्टर की अलग–अलग विषयों की परीक्षा तीन मई से शुरू होकर 14 जून तक चलेंगी। कुछ पेपर एक से दो दिन के अंतराल पर भी हैं। बीएससी द्वितीय, चतुर्थ और छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं तीन से 27 मई तक चलेंगी। बीकॉम द्वितीय, चतुर्थ और पांचवें समेस्टर की परीक्षाएं छह से 15 मई तक होंगी। परीक्षा का समय पहली पाली में सुबह 8:30 से 10 बजे तक है। दूसरी पाली में सुबह 11 से दोपहर 12रू30 बजे तक और तीसरी में दोपहर 02 से 3:30 बजे तक परीक्षा होगी।

आईआईएम लखनऊ के नए निदेशक बने मनमोहन प्रसाद गुप्ता, 23 अप्रैल को ग्रहण करेंगे पदभार

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) लखनऊ को नया निदेशक मिल गया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (आईआईटी–डी) के प्रोफेसर मनमोहन प्रसाद गुप्ता को नया निदेशक बनाया गया है। वह जल्द ही अपना पदभार ग्रहण करेंगे। इस संबंध में आईआईएम लखनऊ की ओर से भी पुष्टि कर दी गई है। वह संभवतरू 23 अप्रैल तक अपना कार्यभार संभाल लेंगे। आईआईएम लखनऊ के नए निदेशक को लेकर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन की ओर से बीते 11 अप्रैल, 2025 को लिखे गए पत्र से भी हुई थी। 14 अप्रैल को बीओजी सचिव द्वारा प्रसारित एक आंतरिक ईमेल के माध्यम से संकाय और कर्मचारियों को नियुक्ति के बारे में सूचित किया गया। प्रोफेसर गुप्ता 23 अप्रैल, 2025 को पांच साल के कार्यकाल के लिए पदभार ग्रहण करेंगे। बता दें कि प्रोफेसर गुप्ता कई वर्षों से आईआईटी दिल्ली से जुड़े रहे हैं और उन्होंने अनुसंधान, शिक्षण और संस्था निर्माण में व्यापक योगदान दिया है। आईआईएम दिल्ली में अभी संभाल रहे इस पद को वर्तमान में प्रो. मनमोहन वर्तमान में आईआईटी दिल्ली के प्रबंधन अध्ययन विभाग में मोदी फाउंडेशन चेयर पर्सन हैं और प्रबंधन विज्ञान के क्षेत्र में अपने काम के लिए व्यापक रूप से पहचाने जाते हैं। आईआईएम लखनऊ के निदेशक पद पर अभी तक तैनात रही प्रोफेसर अर्चना शुक्ला का कार्यकाल पिछले 4 अप्रैल 2024 को ही समाप्त हो गया था लेकिन उन्हें एक साल का अंतरिम सेवा का अवसर मिला था।

संक्षिप्त समाचार

फार्मर रजिस्ट्री की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी हुए नाराज,समस्त उपजिलाधिकारियो से मांगा स्पष्टीकरण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा अवगत कराया गया है कि आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद, उ०प्र०, द्वारा फार्मर रजिस्ट्री का कार्य शत–प्रतिशत पूर्ण कराने हेतु 30 अप्रैल 2025 तक विशेष कैम्प मोड में अभियान चलाने हेतु निर्देश दिये गये थे। लेकिन प्रायः यह देखा जा रहा है कि तहसीलो में विशेष कैम्प मोड में कार्य नहीं कराया जा रहा है, जिसके कारण 16 दिनों का समय व्यतीत होने के पश्चात भी जनपद के कुल लक्ष्य 8 लाख 79 हजार 3 सौ 54 के सापेक्ष अभी तक 4 लाख 24 हजार 701 जो कि मात्र 48.3 प्रतिशत है, जो कि अत्यन्त निराशाजनक है। जनपद के शत प्रतिशत किसानों का फार्मर आईडी बनना है क्योंकि आगामी पीएम किसान सम्मान निधि सहित सरकारी योजनाओ का लाभ उन्हीं किसानों को मिलेगा जिनकी फार्मर रजिस्ट्री तैयार हो चुकी है, किन्तु अभी तक प्रगति मात्र 48.3 प्रतिशत होने के कारण जनपद की रैंकिंग लगातार गिरती जा रही है। जिसके कारण जिलाधिकारी के द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि सभी उपजिलाधकारी स्पष्ट करें कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य शत–प्रतिशत समयान्तर्गत पूर्ण कराने हेतु क्या कार्य योजना बनाई गई है? साथ ही यह भी स्पष्ट करें कि बेहतर प्रगति वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने हेतु क्या कदम उठाये गये तथा जिन कर्मचारियों द्वारा प्रगति नही की गयी उनके विरूद्ध क्या कार्यवाही किया गया, उपरोक्त का स्पष्टीकरण समस्त उपजिलाधिकारी तीन दिवस के अन्दर जिलाधिकारी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा की दशा में सम्बन्धित उप जिलाधिकारी विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

स्वराज वाहिनी ने किया मांग अटाला मस्जिद विवादित स्थल की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई जाए – संतोष मिश्रा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । अटाला मस्जिद (अटला देवी मंदिर) विवाद में नया मोड़ आया है। स्वराज वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष संतोष मिश्रा ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम को ज्ञापन सौंपा है। सिविल जज की अदालत ने जुलाई 2024 में इस स्थल की पैमाइश का आदेश दिया था। लेकिन जब टीम मौके पर पहुंची, तो प्रतिपक्षी ने परिसर का ताला बंद कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के तहत सर्वे पर रोक लगा दी।स्वराज वाहिनी ने वक्फ अटाला मस्जिद कमेटी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कमेटी मंदिर के प्रारूप को मिटाने और अवशेषों को नुकसान पहुंचाने में लगी है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने एएसआई को पत्र लिखा था। स्वराज वाहिनी ने मांग की है कि विवादित स्थल की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई जाए। उनका कहना है कि वर्तमान में विवादित स्थल विपक्षी के कब्जे में है। अगर विपक्षी को रोका नहीं गया, तो स्थलीय सर्वे से पहले ही वहां का स्वरूप बदल दिया जाएगा। संगठन ने इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में अटाला मस्जिद विवाद में वादी संतोष कुमार मिश्रा(हिन्दू पक्ष) ने बताया कि एएसआई सर्वे के लिए डीएम डॉ दिनेश चंद्र को प्रार्थना पत्र दिया है।। संतोष कुमार ने बताया कि अटाला मस्जिद के अंदर की आकृतियों व उसकी संरचना से छेड़छाड़ की जा रही है,इसलिए उसकी वीडियो ग्राफी करवाकर उसे सुरक्षित रखे जाने की मांग की है।साथ ही उन्होंने कहा कि अगर हमारे प्रार्थना पत्र पर विचार नही किया गया तो हिन्दू पक्ष हाइकोर्ट की शरण मे जाएगा।

सीएम योगी और अखिलेश सहित शामिल होंगे ये बड़े चेहरे

लखनऊ, (संवाददाता)। 17 अप्रैल से गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठा में अमर उजाला संवाद का मंच सजने जा रहा है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में राजनीतिक मुद्दों से लेकर फिल्मों, खेलकूद, राष्ट्रीय सुरक्षा, समाजसेवा, कला–संस्कृति समेत कई विषयों पर परिचर्चाएं होंगी। प्रदेश के विकास सहित अन्य मुद्दों पर बातचीत की जाएगी। अमर उजाला संवाद का यह मंच हर साल सजता है, जिसे शहरवासियों का भरपूर प्यार मिलता है। इस वर्ष कार्यक्रम के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। इसके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकार, बॉक्सर, क्रिकेटर, फिल्म अभिनेता भी संवाद का हिस्सा बनेंगे। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, बॉक्सर विजेंदर सिंह व निखत जरीन खेल–खिलाड़ियों के विकास पर चर्चा करेंगे। कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज धर्म और अध्यात्म को लेकर लोगों की उलझनें दूर करेंगे। पहले दिन कीर्ति चक्र विजेता बीएसएफ कमांडेंट नरेंद्रनाथ धर दुबे शौर्य व पराक्रम की कहानियां साझा करेंगे। वहीं, दूसरे दिन पूर्व आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे भारतीय सेना की तैयारियों, सैन्य अधिकारियों व जवानों के जज्बे पर विचार साझा करेंगे।

आग की लपटों से डरकर ऊपर से कूदना चाहते थे लोग, दमकल ने ऐसे बचाया

लखनऊ, (संवाददाता)। लोकबंधु अस्पताल में आग लगने की सूचना मिलते ही सीएफओ मंगेश कुमार, एफएसओ आलमबाग धर्मपाल सिंह व अन्य फायर अफसर आठ गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंच गए थे। एफएसओ आलमबाग ने देखा कि कुछ लोग अस्पताल की दूसरी मंजिल पर मदद के लिए चीख पुकार मचा रहे थे। वह आग से बचने के लिए कूदने को तैयार थे। थीं। इस बीच एफएसओ आलमबाग दूसरी मंजिल पर फंसे लोगों को ढांढस बंधाते रहे। वह और फायरमैन रजनीश व पुष्पेंद्र सीढ़ियां लगाकर दूसरी मंजिल पर पहुंचे थे। उन्होंने सबसे पहले गंभीर मरीजों को अपने कंधों पर उठाकर बाहर निकाला। दूसरी टीम में सुशील कुमार व तीसरी टीम में एफएसओ सरोजनीनगर सुमित प्रताप सिंह भी लोगों को बचाने में जुट गए थे। राहत कार्य के दौरान एफएसओ हजरतगंज के हाथ और पैर में कांच लगने से वह जख्मी हो गए। रेस्क्यू कार्य पांच घंटे तक चला। हालांकि दमकल कर्मियों ने चार ही घंटे में आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया था। इस बीच अस्पताल व आईसीयू में मौजूद डॉक्टरों ने भी दमकल कर्मियों की मदद की थी। ऑक्सीजन डेफिशिएंसी और अत्यधिक तापमान में रेस्क्यू के चलते सीएफओ मंगेश कुमार, एफएसओ गोमतीनगर सुशील कुमार, एफएसओ आलमबाग धर्मपाल सिंह, एफएसओ सरोजनीनगर सुमित प्रताप सिंह, एफएसओ चौक पुष्पेंद्र कुमार, फायरमैन राकेश गुप्ता, विवेक कुमार, प्रवेश कुमार व रजनीश सिंह की तबीयत बिगड़ गई।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने गोतस्करी के एक बड़े गिरोह का किए खुलास तीन गिरफ्तार, पांच मौके से फरार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस ने गोतस्करी के एक बड़े गिरोह का गुरुवार को भंडाफोड़ किया है।मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बदलपुर गांव में छापेमारी की। यहां गोतस्कर गोवंश को बंगाल और बिहार ले जाने की तैयारी कर रहे थे। पुलिस को देखते ही आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में चंदौली के अली नगर निवासी रंगीले (28) और रवि यादव (30) तथा जौनपुर के जलालपुर निवासी जय प्रकाश. (27) शामिल हैं। पांच अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए। इनमें जलालपुर के बदलपुर निवासी शनि सिंह, चंदौली के अली नगर निवासी दरोगा और सोनू सोनकर, जलालपुर के मथुरापुर कोठवा निवासी सैफ तथा एक अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता अधिनियम और बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है। यह कार्रवाई एएसपी नगर के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी केराकत के नेतृत्व में की गई। मामले का खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि आज सुबह मुखबिर की सूचना पर जलालपुर थाना क्षेत्र के बदलापुर गांव गो तस्करों की सूचना मिली मौके पर पहुंचकर घेराबंदी किया गया। इस दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि पांच लोग फरार हो गए इस दौरान गो तस्करों द्वारा पुलिस पर फायरिंग किया। मौके से चार बाइक रस्सी मोबाइल बरामद किया गया है।सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।इनका अपराधिक इतिहास भी है।इसका मुख्य सरगना शनि सिंह है।

सीएमओ डॉ. सुशील कुमार ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण

अयोध्या। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील कुमार ने आज बनियान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुनवा और हैरिंग्टनगंज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी संचालन, औषधियों के रखरखाव से संबंधित रजिस्टरों की जांच की और नेशनल हेल्थ मिशन के तहत संचालित कार्यक्रमों की जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने विशेष रूप से वर्तमान में चल रहे विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान की प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही आगामी हीट वेव से निपटने की तैयारियों और स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं का भी गहन निरीक्षण किया।सीएमओ डॉ. सुशील कुमार ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण इलाज और दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि शासन के निर्देशों के तहत सभी अभियान पूरी गंभीरता और समर्पण के साथ चलाए जाएं ताकि जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्रों की साफ–सफाई, मरीजों की सुविधा और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार – जे सी गुप्ता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।शिक्षाविद् जे सी गुप्ता ने कहा कि पिछले सप्ताह पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के विरोध का बहाना बना कर साजिशन मुस्लिम बहुल जिलों विशेष कर मुर्शिदाबाद में हिंदुओं पर जुल्म किया जाना ओर कश्मीरी पंडितों की तरह प्रवास के लिए मजबूर करने की कोशिश भारतीय शासन व्यवस्था के लिए खुली चुनौती माना जाना चाहिए। इस कुकृत्य में न केवल स्थानीय भारतीय मुसलमान बल्कि 1971 में भारत में दाखिल हुए तथाकथित शरणार्थी और उनके वंशज और अवैध रूप से समय समय पर आने वाले घुसपैठियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। भारत देश अवैध रूप से आए विदेशी घुसपैठियों की पनाहगाह बन चुका है। इस समय देश में करोड़ों की संख्या में बांग्लादेशी , रोहिंग्या, तिब्बती प्रवासी शरणार्थी भारत के नागरिकों के आर्थिक संसाधनों, प्राकृतिक संसाधनों जल जंगल जमीन ओर रोजगार के अवसरों पर न केवल डाका डाल रहे हैं बल्कि सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सदैव खतरा बने हुए हैं। भारत की बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था इनके लिए वरदान साबित हुई है। बजाय इन घुसपैठियों को खदेड़ बाहर करने के अनेक राजनीतिक दल इनकी उपस्थिति को अवसर की तरह न केवल भुना रहे हैं ।

नगर निगम ने बदली व्यवस्था, अब गृहकर के हिसाब से लगेगा यूजर चार्ज

लखनऊ, (संवाददाता)। घरों से कूड़ा कलेक्शन के एवज में वसूल किए जाने वाले यूजर चार्ज की व्यवस्था नगर निगम ने बदल दी है। अब यह गृहकर के आधार पर तय किया गया है। गृहकर की तरह ही यूजर चार्ज जमा करने की छूट भी दी जाएगी। यूजर चार्ज को अभी गृहकर सॉफ्टवेयर के साथ जोड़ा तो नहीं गया है, मगर ऑनलाइन जमा करने की सुविधा लिंक के जरिए दी जाएगी। इसका प्रस्ताव मंगलवार को नगर निगम सदन में पास किया गया। महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने बताया कि यूजर चार्ज को आसान बनाने के साथ कम भी किया गया है। अभी मकान के क्षेत्रफल के हिसाब से गृहकर तय किया जाता था, इसे लेकर कई बार शिकायतें भी आती थीं। इसे अब आसान कर दिया गया है अब जिसका गृहकर जितना होगा, उसका उतना ही यूजर चार्ज लगेगा। उन्होंने बताया कि आवासीय भवनों में दो श्रेणी बनाई गई है। उसमें जिस मकान का वार्षिक गृहकर मूल्यांकन 5000 रुपये है, उससे 50 रुपये और जिसका 5000 से अधिक है, उससे 100 रुपये महीना यूजर चार्ज लिया जाएगा। जो अनावासीय या कॉमर्शियल भवन हैं, उनसे पूर्व की तरह ही यूजर चार्ज लिया जाएगा। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने बताया कि यूजर चार्ज पूरे साल का एक बार में और हर महीने भी जमा किया जा सकता है। गृहकर में ऑनलाइन और ऑफलाइन पर बराबर छूट नहीं सदन में कांग्रेस पार्षद मुकेश सिंह ने कहा कि अभी तक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से गृहकर जमा करने पर एक समान छूट दी जाती थी, जिसमें इस बार भेदभाव किया गया गया है। इसे समाप्त किया जाए। भाजपा पार्षद शैलेंद्र वर्मा ने कहा कि पहले अप्रैल से जुलाई तक गृहकर जमा करने पर 10 प्रतिशत छूट दी जाती थी, लेकिन इस बार इसे एक महीना ही रखा गया है। यह समय बढ़ाया जाए। इस पर नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने कहा कि छूट लागू हो चुकी है, जिसमें बदलाव नहीं किया जा सकता। यह व्यवस्था डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए सरकार के निर्देश पर लागू की गई है। इस व्यवस्था से गृहकर की वसूली भी बढ़ी है।

सभी विभागों की ओटी हुई बंद, टाले गए 25 ऑपरेशन, पानी भरने से पांच विभाग पूरी तरह बंद

लखनऊ, (संवाददाता)। लोकबंधु अस्पताल में लगी आग की वजह से मंगलवार को करीब 25–30 ऑपरेशन टल गए हैं। इसमें नेत्र रोग, आर्थोपैडिक, गाइनी, जनरल सर्जरी व ईएनटी यूनिट के हैं। मरीजों इमरजेंसी समेत मरीजों को मिल रही अन्य सुविधाओं को भी देखा। लोकबंधु अस्पताल अग्निकांड मामले में कई लोगों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की ओर से जांच के टीम सूचना मिलने के बाद कितने देर बाद पहुंची थी। आग के दौरान अस्पताल में फंसे मरीजों को निकालने वाले पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ की जाएगी। यह पता लगाया जाएगा कि अस्पताल में आग हादसा है या साजिश। लोकबंधु अस्पताल में आग लगने के बाद पांच विभाग पूरी तरह से बंद हो गए हैं। वहां जला हुआ मलबा और पानी ही भरा है। अस्पताल प्रशासन का दावा है कि इन वार्डों को शुरू होने में करीब एक हफ्ता लगेगा। आग से इन वार्डों में रखा सामान, फर्नीचर जलकर खाक हो गया है। आग लोकबंधु के फीमेल मेडिसिन वार्ड में लगी थी। इसके बाद इसने बाल रोग विभाग को भी अपनी जद में ले लिया। वार्डों की फॉल सीलिंग, बिजली के तार, फर्नीचर जल गए। ये दो वार्ड काफी प्रभावित हुए हैं। बाल रोग के अलावा दूसरे विभागों में भी शीशे, खिड़की, दरवाजे तोड़े गए थे। सभी वार्डों में काफी धुआं भर गया था। शीशे तोड़ने के बाद धुआं काफी देर बाद बाहर निकल सका था।

को अभी ऑपरेशन की डेट भी नहीं दी गई है। वहीं स्वास्थ्य महानिदेशक ने अस्पताल पहुंचकर निरीक्षण किया। लोकबंधु में मंगलवार की ओटी में हर दिन करीब 25–30 ऑपरेशन होते हैं। इसमें नेत्र रोग विभाग में हर दिन दस से पंद्रह मरीजों के ऑपरेशन होते हैं। इसके अलावा जनरल सर्जरी में आठ से दस ऑपरेशन, ईएनटी में चार से पांच, गाइनी में चार से पांच मरीजों के ऑपरेशन होते हैं। ये सभी ऑपरेशन टल गए। सभी विभागों की ओटी में ताला लगा है। अफसरों का कहना है ओटी व वार्ड के विसंक्रमित होने बाद ही ओटी का संचालन शुरू कराया जाएगा। स्वास्थ्य महानिदेशक ने लोकबंधु पहुंचकर अस्पताल का निरीक्षण किया। जले हुए वार्ड, आईसीयू को देखा। ओपीडी, आदेश के बाद सेंकेंड फ्लोर पर बने स्टोर रूम और गैलरी का सील कर दिया गया है। मंगलवार को किसी को भी उधर जाने की अनुमति नहीं दी गई। इस मामले को लेकर शासन भी गंभीर है। यही वजह है कि सेकेंड फ्लोर पर सिर्फ जांच टीम को ही जाने की इजाजत है। सूत्रों का कहना है कि डीएम की ओर से गठित जांच कमेटी बुधवार को आग लगने के कारणों की जांच करेगी। इस दौरान फायर एनओसी के मुद्दे की भी पड़ताल की जाएगी। यही नहीं, अग्निशमन यंत्र, आग से बचाव के दौरान आई समस्याएं और खामियों की रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी। इसके अलावा आग की सूचना सबसे पहले देने वाले कर्मचारी के बयान भी दर्ज होंगे। यह पता लगाया जाएगा कि फायर ब्रिगेड की

मेडिकल कालेज, जौनपुर में मनाया गया विश्व वाणी दिवस

देश की उपासना।

धनन्जय विश्वकर्मा। जौनपुरः उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर की प्राचार्य प्रो० डा० रुचिरा सेठी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रो० डा० ए०ए० जाफरी के दिशा निर्देश में ई०एन०टी० विभाग की विभागाध्यक्ष, डा० राजश्री यादव एवं सहायक आचार्य, डा० बृजेश कुमार के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 16 अप्रैल, 2025 को ष्विश्व वाणी दिवसष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ प्राचार्या प्रो० डा० रुचिरा सेठी ने अपने उद्बोधन से किया। उन्होंने बताया कि विश्व वाणी दिवस की इस वर्ष की थीम ष्उचवूमत लवनत अवपबमष है। प्राचार्या ने हर आयु वर्ग के लोगो में वाणी को लेकर जागरूक किया कि ष्वाणी न केवल विधारों को प्रकट करने का माध्यम है, बल्कि यह व्यक्तित्व की पहचान और संस्कृति का दर्पण भी है। विश्व वाणी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि वाणी की शक्ति को सही दिशा में प्रयोग कर हम समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते है।ष तपश्चात मेडिकल कालेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डा० ए०ए० जाफरी ने विश्व वाणी दिवस पर चर्चा करते हुए बताया कि विश्व वाणी दिवस प्रतिवर्ष 16 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन की शुरूआत 1999 में ब्राजील देश के एक समूह द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य था मानव वाणी के महत्व को पहचान देना, और लोगों को स्वरयंत्र के स्वास्थ्य व देखभाल के प्रति जागरूक करना। बाद में 2002 से यह एक अंतरराष्ट्रीय पहल के रूप में सामने आया, और आज यह दुनिया भर में मनाया जाता है। ष्आपकी वाणी ही आपके व्यक्तित्व की असली पहचान है। एक मधुर, मर्यादित और प्रेरणादायक वाणी न केवल संवाद को सशक्त बनाती है, बल्कि समाज में सौहार्द और सद्भावना को भी बढ़ावा देती है।ष विश्व वाणी दिवस पर ई०एन०टी० विभाग की विभागाध्यक्ष, डा० राजश्री यादव ने विस्तृत जानकरी देते हुए बताया कि आज के डिजिटल युग में संवाद का महत्व और भी बढ़ गया है। शिष्ट, प्रभावशाली और संवेदनशील वाणी ही सशक्त नेतृत्व और समर्पित नागरिक की पहचान है। वाणी से संबंधित विभिन्न बीमारियों के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि जैसे हकलाना, आवाज बैठना, गले में गांठ या स्वरयंत्र की खराबी को शुरूआती पहचान लेना इलाज को आसान बनाता है। वाणी में समस्या टॉन्सिल, एलर्जी, संक्रमण, वोकल कॉर्ड्स की सूजन या ट्यूमर के कारण भी हो सकती है। तनाव और अत्यधिक बोलने की आदत भी आवाज पर असर डाल सकती है। वाणी की समस्या से पीड़ित लोगों को हमेशा धूम्रपान, अधिक गर्म चाय–कॉफी, तथा अत्यधिक ठंडा पानी और शोरगुल वाले माहौल से दूर रहना चाहिए। यह एक ला–इलाज बीमारी नहीं है मरीज के नियमित परहेज एवं दवा से इसे जड़ से खत्म किया जा सकता है। ई०एन०टी० विभाग के सहायक आचार्य, डा० बृजेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ष्वाणी केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि यह हमारे संस्कारों, सोच और व्यक्तित्व की सजीव झलक होती है। विश्व वाणी दिवस हमें इस बात की याद दिलाता है कि हमारी वाणी में कितना सामर्थ्य है वह प्रेरित कर सकती है, सुधार सकती है और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती है।ष कार्यक्रम का संचालन डा० रिमांशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षक प्रो तबस्सुम यासमीन, प्रो० भारती यादव, प्रो० उमेश सरोज, डा० विनोद कुमार, डा० अरविन्द पटेल, डा० चन्द्रमान, डा० सरिता पाण्डेय, डा० ममता, डा० हमजा अंसारी, डा० आशुतोष सिंह, डा० आदर्श यादव, डा० मुदित चौहान, डा० संजीव यादव, डा० अर्चना, डा० अलिसा अंजुम, डा० प्रीति, डा० अजय व अन्य चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी, पैरामेडिकल स्टाफ, छात्रछात्राएं, मरीज व कर्मचारीगण की उपस्थिति में कार्यक्रम अत्यंत सफल और प्रेरणादायक रहा।

गोरखपुर मण्डल में तेजी से फैल रहे जाली नोटों के कारोबारी, दिन प्रतिदिन लोगों का शिकार कर रहे ये जाली नोटों के कारोबारी

गोरखपुर ब्यूरो चीफ

आखिर प्रशासन क्या कर रही है कि ऐसे कारोबारियों को अपने शिकंजे में नही कस पा रही है। पूरे देश में इस समय जाली नोटों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। खास कर के उत्तर प्रदेश के गोरखपुर मण्डल में इनका एक बहुत बड़ा चौन बन चुका है, जिससे आय दिन कई लोगों को ये अपना शिकार बनाते रहते हैं। खास कर जिले के सीमा पर इनकी सक्रियता बहुत ही तेजी से बढ़ रही है। जिनका एक बार ये लोग शिकार कर लेते है। उसके बाद शिकार हुए व्यक्ति के पास आत्म हत्या के अलावा कोई रास्ता नहीं दिखता है। शिकार हुआ व्यक्ति खुद अपराधी होने के कारण किसी से कह नहीं पाता है। एक के तीन के चक्कर का लालच पाकर लोग जोरों से शिकार बन रहे हैं। खास कर गोरखपुर जिले से देवरिया तक ये एक गढ़ बन चुका है जो ये प्रशासन के लिए एक चुनौती बन चुकी है। सूत्रों के मुताबिक मिली खबर के अनुसार प्रशासन की भी मिली भगत सामने आ रही है। शिकार हुआ व्यक्ति किसी से इस बात को कह नहीं सकता है। इसका फायदा जो इस क्षेत्र के कारोबारियों को दिन दोगुना रात चौगुना का फायदा हो रहा है। सूत्रों से मिली खबर के अनुसार कई लोग ऐसे इनके चंगुल में फसे हैं की वह लोग आत्महत्या तक कर चुके हैं। न जाने अभी कितने लोग इस गैंग का शिकार होने वाले हैं। सवाल यह उठना लाजमीय है कि आखिर इतना निडरता के साथ इतने साहस के साथ ये कारोबारी अपने काम को अंजाम कैसे देते हैं...? खास कर ये कारोबार गोरखपुर के दक्षिणांचल छोर से देवरिया के एकौना थाना व और कई थाना क्षेत्र, आजमगढ़, मऊ, सन्त कबीर नगर महाराजगंज व कई जिले के कई जिलों में इन कारोबारियों की सक्रियता बहुत तेजी से बढ़ रही है।

सूत्रों के मुताबिक मिली खबर के अनुसार एकौना थाना क्षेत्र में कुछ कारोबारियों का चेहरा सामने आए हैं। बाकी जल्द ही इन कारोबारियों की पूरी बटालियन का खुलासा किया जाएगा।

अखिलेश की काली कलम ने भगवान बुद्ध से लेकर बाबा साहब तक का किया अपमान - प्रभारी मंत्री असीम अरुण

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

भारतीय जनता पार्टी का ष्हमारा संविधान हमारा अभिमानष अभियान के अंतर्गत 15 से 28 अप्रैल तक चलने वाले कार्यक्रमों में आज नगर के श्रीश चंद्र बारात घर में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीम राव अंबेडकर सम्मान संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी मंत्री राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की कलई खोलते हुए बताया कि पिछले छः दशकों के शासन में जो बाबा साहब और उनकी स्मृतियों को सम्मान न दे पाए, वह दल और उसके नेता आज समाज के सम्मान के लिए सड़क से संसद तक झंडा बैनर लिए नजर आ रहे है। संगोष्ठी की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने की, एवं संचालन जिला महामंत्री ओम वर्मा ने किया।

संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व सांसद प्रियंका रावत, सांसद अशोक रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती एवं जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने अपने विचार साझा किए। संगोष्ठी में राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कि बाबा साहब जिस कद के व्यक्तित्व थे, कांग्रेस ने कभी उनको वह सम्मान नहीं दिया। नेहरू गांधी परिवार पिछड़े समाज के व्यक्ति को राजनीति की मुख्य धारा में शामिल होने के खिलाफ था। इसका उदाहरण जब जब बाबा साहब ने राजनीति में अपने कदम बढ़ाए कांग्रेस ने षडयंत्र रच उनको छलने का काम किया। 1937 में बांबे प्रेसीडेंसी का विधान सभा चुनाव हो, या 1952 का लोकसभा चुनाव, नेहरू ने अपने केंद्रीय मंत्रिमंडल तक में अर्थशास्त्र और कानून के मर्मज्ञ बाबा साहब को जानबुझकर दरकिनार किया। वही समाजवादी पार्टी ने अपने शासन में दलित समाज के चिंतकों के नाम से पहचान वाले जिलों का नाम बदलने का कार्य किया। आज वही दल जब बाबा साहब के सम्मान की लड़ाई लड़ने की बात करते है तो बात हजम नहीं होती। बाबा साहब और पिछड़े समाज का कोई असली हितैषी है तो वह भाजपा है। जिसने मरणोपरांत बाबा साहब को भारत रत्न से नवाजा। प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहब के सम्मान में पांच तीर्थों को स्थापित किया। पिछड़े दलित समाज को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा।

प्रदेश महामंत्री प्रियंका रावत ने संगोष्ठी में कहा कि पिछड़े और दलित समाज के व्यक्ति को राजनीति से उठकर देखना है कि कौन सा राजनैतिक दल सच में उनका हितैषी है और कौन सिर्फ वोट की राजनीति कर रहा है। भाजपा संघठन 24 घंटे समाज को एक सूत्र में बांधने के लिए जीजान से लगा हुआ है। भाजपा ने कभी अगड़े पिछड़े और दलित में भेद किया। भाजपा के लिए देश पहले है। कांग्रेस वहीं दल है जिसने संविधान की धज्जियां उड़ा के रख दी। बाबा साहब के संविधान को तोड़ मरोड़ कर 88 बार राष्ट्रपति शासन के जरिए चुनी हुई सरकारों को हटाने का कार्य किया। आपातकाल लगा कर जनता और प्रेस के मौलिक अधिकारों को छीना। अनुसूचित जाति आरक्षण का विरोध, मंडल आयोग की सिफारिशों का विरोध, अल्पसंख्यक संस्थानों में पिछड़े और दलित समाज के हक को लूटना, समान नागरिक संहिता में रोड़े अटकाना का कार्य कांग्रेस पार्टी ने किया। आज उसी दल के नेता पैजामे के पीछे की पॉकेट में बाबा साहब द्वारा निर्मित देश के ग्रन्थ को लेकर घूमते है और हवा में लहराते हुए पिछड़े समाज की लड़ाई लड़ने का दिखावा करते है। आज की संगोष्ठी का मकसद सिर्फ पिछड़े समाज को जगाना नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग को जगाने का प्रयास है। उसे समझना होगा कि देश को बनाने में किसका सबसे बड़ा योगदान है। कांग्रेस पार्टी वंशवाद का शिकार है, पिछड़े समाज का व्यक्ति कभी वहां उच्च पद पर आसीन नहीं

हो सकता। भाजपा एकमात्र ऐसा दल है जहां आम कार्यकर्ता देश का प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बन सकता है, बस मेहनत से समाज की सेवा का प्रण उसका संकल्प हो। सांसद अशोक रावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी सर्व समाज के सहयोग से बनी है। यह विश्व का एकमात्र ऐसा संगठन है जिसका अगला अध्यक्ष किसी परिवार से नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं के बीच से निकलता है और वह किसी भी समाज का हो सकता है। इसलिए भाजपा को सभी समाज का विश्वास हासिल हुआ है। तीन बार केंद्र में भाजपा की सरकार बनना जनता के आशीर्वाद से संभव हुआ। जिसमें पिछड़े और दलित समाज का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने पिछड़े और दलित समाज को सिर्फ वोट बैंक तक सीमित रखा। कभी उसे मुख्यधारा में शामिल करने के लिए किसी योजना पर कार्य नहीं किया। आज वहीं दल अपनी खत्म होती राजनैतिक जमीन को बचाने के लिए झूठे प्रपंच कर रहे है। पिछड़े और दलित समाज में खाई खोदने का कार्य कर रहे है, लेकिन उनके मंसूबों पर हमेशा पानी ही फिरा है क्योंकि जनता को मोदी और योगी के नेतृत्व पर विश्वास है। जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें बाबा साहब के दिखाए हुए मार्ग पर बढ़ते हुए देश को एकसूत्र में बांधकर विकसित भारत यात्रा की ओर अग्रसित है। भाजपा की कल्याणकारी योजनाओं में सभी धर्म और जाति के लाभार्थियों को लाभ दिलाने का कार्य किया गया। पीएम मोदी के शासन काल में 8 संविधान संशोधन हुए, जो परिवारवाद और वंशवाद की राजनीति को नहीं बल्कि राष्ट्र की एकता को समर्पित रहे। पीएम मोदी ने बाबा साहब द्वारा निर्मित संविधान की 75वीं वर्षगांठ को ऐतिहासिक रूप में मनाने का कार्य किया।

डायट में कलस्टर सोशल ऑडिटर टीम की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अयोध्या। गुरुवार को राज्य परियोजना कार्यालय,समग्र शिक्षा उत्तर प्रदेश और इंटीग्रल विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान मे क्लस्टर सोशल ऑडिटर टीम का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में आयोजित किया गया।यह कार्यक्रम इंटीग्रल विश्वविद्यालय को 14 जिले आवंटित किए गए हैं।इसी क्रम में अयोध्या बीएसए संतोष कुमार राय के मार्गदर्शन एवं जिला समन्वयक प्रणव त्रिपाठी की उपस्थिति में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस दौरान इंटीग्रल विश्विद्यालय के प्रतिनिधि देवेंद्र तिवारी,अभय शर्मा ने बताया कि इस सोशल ऑडिट में मुख्य रूप से परिषदीय विद्यालयों एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों व इनमें पढ़ने वाले छात्र तथा छात्राओं के अभिभावक और अध्यापक के मूल्यांकन का कार्य भी किया जाएगा।इस मूल्यांकन में जो भी खामियां व उपलब्धियां पाई जाएगी उस पर सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।इस प्रशिक्षण में विस्तृत जानकारी के साथ प्रशिक्षण मास्टर रोहित शर्मा और सत्यव्रत सिंह ने प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की सोशल ऑडिट से संबंधित समझ विकसित की और डेमो के माध्यम से प्रशिक्षण की बारीकियों पर ध्यान आकृष्ट कराया। पूरे प्रशिक्षण में तकनीकी सहयोग अभय शर्मा ने प्रदान किया प्रोफेसर एच.एम. आरिफ, नोडल अधिकारी, सामाजिक लेखा परीक्षा परियोजना और प्रमुख, भाषाएं, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, डॉ. आरिना नाजनीन, नोडल अधिकारी, सामाजिक लेखा परीक्षा परियोजना और सहायक प्रोफेसर, इंटीग्रल विश्वविद्यालय और डॉ. वान्या श्रीवास्तव, परियोजना समन्वयक, सामाजिक लेखा परीक्षा परियोजना और सहायक प्रोफेसर, इंटीग्रल विश्वविद्यालय के बहुमूल्य मार्गदर्शन और निर्देशों के तहत, प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।इस दौरान जिला समन्वयक अंकुर सिंह सहित कई क्लस्टर सोशल ऑडिटर उपस्थित रहे।

नाथूपुर- जमैथा फाटक न खोलने पर गेटमैन को मारा पीटा, केस दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद। क्षेत्र के नाथूपुर गांव के पास स्थित नाथूपुर–जमैथा रेलवे फाटक पर गेटमैन को फाटक न खोलने से आवेशित इर्टिका कार सवार युवक मार पीट कर घायल कर दिया।गेटमैन द्वारा शोर मचाने पर कार सवार वहां से निकल लिये। लाईन बाजार थाना क्षेत्र के सैदनपुर गांव निवासी जयप्रकाश यादव जो कि जफराबाद जंक्शन पर बतौर प्वाइंट मैन के पद पर कार्यरत है। बीते मंगलवार की रात वह गेट संख्या 41 सी जमैथा पर ड्यूटी पर था।रात रात करीब 12 बजे के बाद जमैथा गांव की तरफ एक इर्टिका कार आकर गेट पर रूकी। जिसमें कि ड्राइवर सहित 4 लोग सवार थे। उसमें से एक व्यक्ति नीचे उतर गेट खोलने के लिये बोलने लगा। गेटमैन जयप्रकाश द्वारा बताया गया कि फाटक जफराबाद जंक्शन द्वारा सेन्ट्रल लाकिंग व्यवस्था के तहत बन्द है। बोला गया कि ट्रेन के गुजरने के बाद वह गेट को खोल पायेगा। जब गाडी पास हो गयी तो उसके द्वारा गेट को खोल दिया गया। इतनें में गाड़ी में एक व्यक्ति पुनः उतर कर केबिन के पास गया और उसको गालिया देने लगा। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट करते हुए सरकारी कार्य बाधित भी किया। गैटमैन द्वारा हल्ला मचाने पर कार सवार लोग भाग निकले। जयप्रकाश ने घटना की जानकारी अपने अधिकारियों को देतु हुए सूचना जफराबाद थाने को दी। प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश यादव ने बताया कि गेटमैन जयप्रकाश की तहरीर पर केस को दर्ज कर लिया गया है। आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत नामांकन कार्यक्रम का आयोजन किया गया

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । नगर क्षेत्र जौनपुर में अवस्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय सिपाह (कक्षा 1 से 8) में स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत नामांकन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ पटेल ने माँ सरस्वती को प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया। नगर शिक्षा अधिकारी नीरज श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ

पटेल एवं सभासद अबुजर शेख का बुके देकर स्वागत किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अपने सम्बोधन में शिक्षा के महत्व पर विस्तार से चर्चा करते हुए उपस्थित जनों से अपील किया कि सभी अपने बच्चों के रहने–खाने में भले ही थोड़ी बहुत कमी कर दें परन्तु शिक्षा में किसी भी प्रकार की कमी न करें, क्योंकि यदि आपका बच्चा शिक्षित हो गया तो वह अपने परिवार ही नहीं अपितु समाज एवं राष्ट्र के विकास में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम के पश्चात जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सभासद कम्पोजिट विद्यालय सिपाह के समस्त शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं नगर शिक्षा अधिकारी के साथ–साथ उनके कार्यालय के कार्मिकों द्वारा अचला देवी घाट से ईरानी बस्ती तक डोर टू डोर अभिभावकों से सम्पर्क करके 17 नये नवीन नामांकन मौके पर ही किया गया। इस अवसर नगर ए0आर0पी0 सतीश मौर्य, शिक्षक संकुल दुर्गेश नन्दन, विनय विश्वकर्मा, रवि एवं पंकज इत्यादि उपास्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रा0वि0 पुलिस लाइन की प्रधानाध्यापिका नीतू सिंह ने किया।

लोक चौपाल में रामकथा का वैश्विक सन्दर्भ और मॉरीशस पर चर्चा

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। भारत और मॉरीशस का रिश्ता बेहद आत्मीय और रक्त से जुड़ा है। राम इसके सेतु हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम राम मॉरीशसवासियों का मार्गदर्शन करते हैं तथा उनके सुख दुःख में सहायक होते हैं। ये बातें मॉरीशस के रामायण सेण्टर की अध्यक्ष एवं ख्यातिलब्ध साहित्यकार डा. विनोद बाला अरुण ने कहीं। गुरुवार को लोक संस्कृति शोध संस्थान द्वारा प्रेस क्लब में आयोजित लोक चौपाल में वक्ताओं ने रामकथा की लोक व्याप्ति पर चर्चा की तथा श्रीराम को चिरन्तन सांस्कृतिक उत्कर्ष का प्रतीक बताया। इस अवसर पर डा. विनोद बाला अरुण को प्रवासी भारतीय लोक संस्कृति सम्मान भी प्रदान किया गया। विषय प्रवर्तन करते हुए संस्थान के अध्यक्ष जीतेश श्रीवास्तव ने रामकथा की लोक व्याप्ति और वैश्विक सन्दर्भ की चर्चा की। अवधी विद्वान डा. रामबहादुर मिश्र ने अपने मॉरीशस यात्रा से जुड़े प्रसंग सुनाते हुए रामायण सेण्टर के कार्यों का उल्लेख किया।

पद्मश्री डा. विद्याविन्दु सिंह ने कहा कि भारत से मॉरीशस गये गिरमिटिया मजदूर अपने साथ रामायण लेकर गये थे और उन्हें आज भी उनकी संतति ने संजो कर रखा है। सीता जी से जुड़े एक गीत की मुझे वर्षों से तलाश थी और वह मुझे मेरे मॉरीशस प्रवास के दौरान वहां मिली। लखनऊ विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने कहा कि राम नीति, धर्म और मर्यादा की त्रिवेणी हैं। गोस्वामी तुलसीदास को रामकथा की विश्व व्याप्ति का पूर्वाभास हो गया था। राम अनंत अनंत गुन अमित कथा विस्तार की चर्चा करते हुए वेदों से लेकर दुनिया के अनेक देशों में रामकथा केन्द्रित ग्रन्थों और उनकी लोकोपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की। कुमाऊं कोकिला विमल पन्त, प्रयागराज से पधारे वेदानन्द विश्वकर्मा ने भी अपनी बात रखी। सौम्या गोयल, मिहीका, अविका, अथर्व, आद्रिका, अव्युक्ता और कर्णिका ने निवेदिता भट्टाचार्य के निर्देशन में ग्यारह राग चक्रों पर आधरित रामधुन का गायन किया। संचालन चौपाल प्रभारी अर्चना गुप्ता ने तथा आभार ज्ञापन संस्थान की सचिव सुधा द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर सर्वश्री आनन्द प्रकाश शुक्ल, वरिष्ठ पत्रकार विवेक शुक्ल, डा. अपूर्वा अवस्थी, प्रो.सीमा सरकार, सरिता अग्रवाल, डा. स्मिता मिश्रा, राजनारायण वर्मा, अजीत अग्रवाल, हरिकृष्ण गुप्ता, के.सी.गुप्ता, नम्रता सिंह, ज्योति किरन रतन, देवेश्वरी पंवार, शकुंतला श्रीवास्तव, सहित अन्य मौजूद रहे।

मॉरीशस की डा. विनोद बाला ने किया है रामायण पर शोध

डॉ. विनोद बाला अरुण हिन्दी, संस्कृत तथा भारतीय दर्शन की विदुषी हैं। महात्मा गांधी संस्थान के भारतीय दर्शन विभाग में उन्होंने वरिष्ठ प्रवक्ता के रूप में अध्यापन किया है। सन् 2007 से 2010 तक वे मॉरीशस और भारत सरकार के संयुक्त सहयोग से स्थापित विश्व हिन्दी सचिवालय की प्रथम महासचिव रहीं। सम्प्रति वे रामायण सेंटर मॉरीशस की अध्यक्षा हैं जिसकी स्थापना 2001 में मॉरीशस की सरकार द्वारा एक विधेयक पारित करके की गई थी। डॉ. विनोद बाला ने 'वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस के नैतिक मूल्य और उनका मॉरीशस के हिंदू समाज पर प्रभाव' पर शोध किया है।

रोजगार मेले में 167 युवाओं को मिला रोजगार

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कॅरियर सेन्टर एवं राजकीय आई0टी0आई0 अयोध्या के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 15 अप्रैल, 2025 को प्रातः 10 बजे से राजकीय आई0टी0आई0, परिसर अयोध्या में आयोजित एक दिवसीय रोजगार मेले में का आयोजन किया गया।जिसमें निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों के एच0आर0 द्वारा 167 बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया गया।धर्मेन्द्र कुमार, उप–प्रमुख, यू0ई0वी0 अयोध्या ने मेले में प्रतिभाग कर रहे अभ्यर्थियों का उत्साहवर्धन एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में एक कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। रोजगार मेले में उपस्थित युवाओं एवं युवतियों को सफल होने के कई गुण बताएं तथा यह भी कहा गया कि अपने लक्ष्य के प्रति दृढ संकल्प एवं कठिन परिश्रम करने से ही लक्ष्य की प्राप्ति हो सकती है।

आम व गन्नें मे लगने वाले कीटों से समय रहते करे बचावः-विनीत कुमार

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

जिला कृषि रक्षा अधिकारी विनीत कुमार ने जनपद के समस्त किसान भाईयों को सूचित किया है कि वर्तमान समय मे आम के बाग तथा गन्ना की फसल मे मौसम में बदलाव के कारण कीट का प्रकोप दिखायी दे रहा है, जिसका उपचारध्बचाव करना बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि इस समय आम के बाग मे मैंगो मिलीबग का प्रकोप दिखायी दे रहा है। यह कीट माह अप्रैल में सफेद चपटी मोटी अण्डाकार तथा पंखहीन होती है। इस कीट के अधिक प्रकोप से फल गिर जाते है। मादा कीट अप्रैल मई मे पौधे से उतर कर जमीन मे लगभग 15 सेमी० तक थाले मे अण्डे देती है। दिसम्बर जनवरी मे अण्डों से शिशु निकलते है, जो पौधों के ऊपर धीरे–धीरे रंगकर चढते है। इसकी रोकथाम हेतु क्यूनालफास 25 प्रति०ई०सी० 2–3 एम०एल०ध्ली० पानी के हिसाब से स्प्रे करना चाहिये। मई, जून मे बाग खुदाई करनी चाहिये ताकि अण्डे ऊपर आकर तेज धूप मे नष्ट हो सके। दिसम्बर के प्रथम सप्ताह तक थालों की गुडाई कराकर मैलाथियान 5 प्रति० धूल 150–200 ग्राम प्रति थाला के हिसाब से मिला देना चाहिये। इसी तरह गन्नें मे इस समय इस फसल में अंकुर बेधक का प्रकोप देखने को मिल रहा है, यह गन्ने के किल्लों को प्रभावित करने वाला प्रमुख कीट है। इस कीट का प्रकोप मार्च से जून तक अधिक रहता है। प्रभावित पौधे के किल्ले सूख कर गोभ का आकार ले लेते है। इनको खिचने पर आसानी से निकल आते है। इसकी रोकथाम हेतु क्लोरोपाइरीफास 20 प्रति० ई०सी० 1.5–2 ली०ध्हे0 800–1000 पानी मे घोलकर हजारे द्वारा पेडों के ऊपर स्प्रे करना चाहिये। अथवा कार्बोफ्यूरान 3 प्रति० सी०जी० 20–25 किग्रा०ध्हे० की दर से बुवाई के समय कूडों मे गन्ने के ऊपर डालकर ढकाई कर देना चाहिये।

डॉ. प्रमोद कुमार बने पीयू कार्य परिषद के सदस्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने गुरुवार को डॉ प्रमोद कुमार को कार्य परिषद का सदस्य नामित किया है। इनका कार्यकाल मार्च 2026 तक है। वर्तमान में डॉ. प्रमोद कुमार, पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित रज्जू भैया संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष हैं। डॉ. प्रमोद कुमार विश्वविद्यालय के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर रहे है। डॉ प्रमोद कुमार उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के द्वारा वित्त पोषित दो शोध परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। विदित हो कि डॉ. कुमार का 15 वर्षों से अधिक का शोध और शिक्षण कार्य का अनुभव है।

आठ गाय व दो बैल को पुलिस ने वाहन सहित पकड़ा,चालक फरार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद।क्षेत्र के राजमार्ग पर नेवादा अंडरपास के नजदीक गुरुवार को पुलिस ने एक पिकप में गोकशी के लिये ले जाये जा रहे आठ गायों व दो बैलों को वाहन सहित पकड़ लिया।हालांकि चालक भाग निकला।

थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव मुखबिर से सूचना मिली कि लखनऊ की तरफ से एक पिकप में आठ गाय व दो बैलों को पिकप में भरकर पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा है।सूचना मिलते ही वे मय फोर्स मौके पर पहुंच गए।उन्होंने जब घेरेबंदी करके पिकप को रुकवाने का प्रयास किया तब चालक तेज रफ्तार से पुलिस टीम की तरफ वाहन का रुख किया।दीवान विपुल राय ने भाग कर अपनी जान बचाया।चालक वाहन छोड़कर भाग निकला।पुलिस ने पिकप सहित गाय बैलों को थाने के आयी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।